NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 157 लखनऊ, शुक्रवार 19 जनवरी 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

मोदी–शाह के गढ़ में कांग्रेस और आप का होगा सूपड़ा साफ! बीजेपी ने कर ली बड़ी तैयारी

एजेंसी।
नई दिल्ली गुजरात में देखें तो भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत राहुल गांधी और कांग्रेस 5 दिनों तक अपना जलवा दिखाने की तैयारी में है। इन पांच दिनों में 7 जिलों के 445 किलोमीटर की यात्रा कांग्रेस की ओर से तय की जाएगी। देश लोकसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ा है। भाजपा सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है। ऐसे में उस राज्य की भी चर्चा सामने आ ही जाती है जो कहीं ना कहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह का गढ़ है। हम बात गुजरात की कर रहे हैं। वर्तमान में देखा जाए तो गुजरात में भाजपा का एक छत्रराज है। पिछले विधानसभा चुनाव में 182 सीटों में से 156 सीटों पर भगवा झंडा लहराकर भाजपा ने यह साबित कर दिया कि लोकसभा चुनाव में यहां क्या स्थिति रहने वाली है। कांग्रेस को जबरदस्त नुकसान हुआ और पार्टी सिर्फ 17 सीटों पर सिमट गई। गुजरात में लोकसभा की 26 साटें हैं। 2019 में इन 26 सीटों पर भाजपा ने जबर्दस्त जीत हासिल की थी। यही कारण है कि 2024 के चुनाव को लेकर गुजरात में जबरदस्त चर्चा है। बड़ा सवाल यही है कि क्या 2019 का जादू गुजरात में एक बार फिर से भाजपा दोहरा पाएगी? 2024 के चुनाव के बाद अगर बीजेपी जीती तो कांग्रेस के विधायकों का क्या होगा? क्या कांग्रेस पार्टी चुनाव के दौरान ही बिखर जाएगी? इस तरह

की चर्चा गुजरात में इसलिए भी हो रही है क्योंकि कांग्रेस लगातार कमजोर होती दिखाई दे रही है। आम आदमी पार्टी ने गुजरात में अपनी पकड़ को मजबूत करने की शुरुआत कर दी है। ऐसे में भाजपा विरोधी वोट में लगातार बिखरा हो रहा है। कांग्रेस गुजरात को लेकर इतनी सक्रियता नहीं दिख रही जितनी होनी चाहिए। ऐसा लगता है कि कांग्रेस गुजरात के बारे में यह सोच बन चुकी है कि यहां अपना कुछ होने वाला नहीं है। पार्टी के भीतर आंतरिक गुटबाजी भी जबरदस्त तरीके से देखने को मिल रही है। कांग्रेस के नेता भी दबे जुबान में इस बात को स्वीकार करते नजर आ रहे हैं कि आने वाले दिनों में पार्टी के कई विधायक इस्तीफा भी दे सकते हैं।

पिछले दिनों देखा जाए तो गुजरात विधानसभा के दो विधायक एक कांग्रेस के और एक आम आदमी पार्टी के ने इस्तीफा दे दिया और भाजपा में शामिल हो गए। यही कारण है कि यह माना जा रहा है कि भाजपा 26 सीटों पर अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को लगातार कमजोर करने की कोशिश करेगी। कांग्रेस की न्याय यात्रा गुजरात में देखें तो भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत राहुल गांधी और कांग्रेस 5 दिनों तक अपना जलवा दिखाने की तैयारी में है। इन पांच दिनों में 7 जिलों के 445 किलोमीटर की यात्रा कांग्रेस की ओर से तय की जाएगी। बावजूद इसके लोकसभा चुनाव में पार्टी को कितना जन समर्थन मिल पायेगा।

प्राण प्रतिष्ठा ट्रस्ट ने किया स्पष्ट, विराजमान रामलला भी होंगे पूजित, शंकराचार्य ने पत्र में उठाए थे सवाल

संवाददाता। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट ने एक बार फिर से साफ किया है कि अचल मूर्ति के साथ वर्तमान में विराजित रामलला भी पूजित होंगे। भक्तों की भावना को देखते हुए एक बड़ी मूर्ति बनाने का निर्णय लिया गया है। रामलला के नवनिर्मित मंदिर में अचल विग्रह की स्थापना के साथ–साथ विराजमान रामलला को भी पूजित–प्रतिष्ठित किया जाएगा। राममंदिर के गर्भगृह में सोने के सिंहासन पर रामलला की 51 इंच की अचल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है, वहीं विराजमान रामलला को भी इसी गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। वे मंदिर में चल मूर्ति यानि उत्सव मूर्ति के रूप में पूजित होंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने साफ

कहा है कि विराजमान रामलला मुकदमा जीते हैं, उन्हें कैसे हटाया जा सकता है नवनिर्मित गर्भगृह में वे भी प्रतिष्ठित किए जाएंगे। अचल विग्रह के ठीक सामने सिंहासन पर उन्हें चारों भाईयों समेत विराजमान किया जाएगा। रोजाना उनकी पूजा, आरती होगी। अचल मूर्ति स्थापित होने के बाद हिल नहीं सकेगी इसलिए विराजमान रामलला उत्सव मूर्ति के रूप में यहां प्रतिष्ठित रहेंगे। पर्व व त्यौहारों पर इसी उत्सव मूर्ति के साथ शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। चंपत राय ने कहा कि विराजमान रामलला आकार में बहुत छोटे हैं ऐसे में भक्तों को ठीक से भगवान के दर्शन नहीं हो पाते थे। भक्तों की भावना को देखते हुए एक बड़ी मूर्ति बनाने का निर्णय लिया गया था ताकि रामलला के मुख मंडल का दर्शन भक्त ठीक तरह से कर पाएं। अचल मूर्ति 51 इंच की है।

गुजरात के वडोदरा में नाव डूबी, 12 छात्रों और 2 शिक्षकों की मौत, 27 थे सवार, पीएम मोदी ने जताया दुख

एजेंसी।
गुजरात। गुजरात के शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर ने कहा कि तलाशी अभियान के लिए एनडीआरएफ और दमकल कर्मियों को तैनात किया गया है। इस दुखद घटना के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने शोक व्यक्त किया है। गुजरात में वडोदरा के बाहरी इलाके में हरणी झील में गुरुवार को एक नाव के पलट जाने से कम से कम 12 स्कूली बच्चों की मौत हो गई। दो शिक्षकों की भी मौत हुई है।नाव में 27 छात्र सवार थे जो पिकनिक मनाने के लिए बाहरी इलाके में आए थे। छात्रों का पता

लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है क्योंकि बाकी छात्र लापता हैं। गुजरात के शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर ने कहा कि तलाशी अभियान के लिए एनडीआरएफ और दमकल कर्मियों को तैनात किया गया है। इस दुखद घटना के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि वडोदरा की हरणी झील में नाव पलटने से बच्चों के डूबने की घटना अत्यंत हृदय विदारक है। मैं अपनी जान गंवाने वाले मासूम बच्चों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। दुःख की इस घड़ी में उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ। दयालु ईश्वर उन्हें यह दुःख सहने की शक्ति दे। नाव पर सवार छात्रों और शिक्षकों का बचाव अभियान फिलहाल जारी है। अधिकारियों को हादसे के पीड़ितों को तत्काल राहत और इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि वडोदरा की हरनी झील में नाव पलटने से हुई जनहानि से व्यथित हूँ। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायल शीघ्र स्वस्थ हों। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल का कहना है, श्श्यह बेहद दुखद घटना है. जिन लोगों की मौत हुई है उनके परिवारों के प्रति संवेदनाएं. इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. 10 लोगों को बचा लिया गया है. सरकार ने घटना को बहुत गंभीरता से लिया हैश्श और आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।"गुजरात के शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर ने कहा, ष्मुझे अभी पता चला है कि स्कूली छात्रों को ले जा रही एक नाव झील में पलट जाने से छह बच्चों की मौत हो गई।

कुंवारी बेटियों को भी माता-पिता से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार उच्च न्यायालय

एजेसी।
नई दिल्ली याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई थी कि निचली अदालत इस तथ्य पर विचार करने में विफल रही है कि इन बेटियों के पिता वृद्ध और अशक्त व्यक्ति हैं, जिनके पास आय का कोई स्रोत नहीं है और वह पहले से ही अपनी बेटियों का लालन–पालन करते आ रहे हैं तथा घरेलू हिंसा कानून के तहत गुजारा भत्ता के लिए आवेदन उनके चचेरे भाई की तरफ से कराया गया है। याचिकाकर्ता ने अपनी दलील में कहा कि उनकी पत्नी की मृत्यु के बाद से उनकी बेटियां उनके साथ रह रही हैं और उनका खर्च भी वह स्वयं वहन कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि उनकी बेटियां शिक्षित हैं और ट्यूशन पढ़ाकर आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने सबसे प्रमुख दलील यह दी कि उनकी बेटियां बालिग हैं और इसलिए वे किसी तरह के गुजारा भत्ते का दावा नहीं कर सकतीं।इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि कुंवारी बेटियों को, धर्म और उम्र के निरपेक्ष, घरेलू हिंसा कानून के तहत अपने माता–पिता से गुजारा भत्ता हासिल करने का अधिकार है। न्यायमूर्ति ज्योत्स्ना शर्मा ने नईमुल्लाह शेख और एक अन्य व्यक्ति की याचिका खारिज करते हुए कहा कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अविवाहित बेटियां, चाहे वे हिंदू हों या मुस्लिम अथवा उनकी उम्र चाहे जो हो, गुजारा भत्ता हासिल करने की हकदार हैं। अदालत ने कहा कि हालांकि जब मुद्दा केवल गुजारा भत्ता से जुड़ा न हो तो पीड़ित व्यक्ति को घरेलू हिंसा कानून की धारा 20 के तहत स्वतंत्र अधिकार उपलब्ध हैं।

हमंत बिस्व सरमा का आरोप, मुसलमानों के एक वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रही कांग्रेस, राहुल ने बताया सबसे भ्रष्ट सीएम

एजेंसी
असम हिमंत बिस्व सरमा ने यह भी कहा कि हमने कहा है कि शहरों के अंदर से नहीं जाना है... जो भी वैकल्पिक रास्ता मांगा जाएगा उसकी अनुमति दे दी जाएगी लेकिन अगर शहर के अंदर से जाने की जिद्द की जाएगी तो हम पुलिस की व्यवस्था नहीं करेंगे। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इस वक्त असम में है। असम में भाजपा की सरकार है। यही कारण है कि असम में भाजपा बनाम कांग्रेस जबरदस्त तरीके से जारी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पर मुसलमानों के एक वर्ग का प्रतिनिधित्व करने का आरोप लगा दिया। तो वहीं राहुल गांधी ने हिमंता बिस्वा सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बता दिया। कुल मिलाकर देखें तो भारत जरूर न्याय यात्रा के जरिए राजनीतिक जबरदस्त तरीके से जारी है। भाजपा जहां इस यात्रा को लेकर कांग्रेस पर हमलावर है तो वहीं कांग्रेस की ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों के एक वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रही है। इस बार मुस्लिम महिलाएं भी कांग्रेस की रैलियों में नहीं आईं। श्सबका साथ, सबका विकासश की हमारी प्रगति असम में इतनी हुई है कि मुस्लिम पुरुष भी कांग्रेस की रैलियों में आना बंद कर देंगे। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जोरहाट में कहा कि आज बीजेपी और आपके मुख्यमंत्री (हिमंत बिस्वा सरमा) असम को विभाजित कर रहे हैं। शायद, देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री असम के मुख्यमंत्री है। हिमंत बिस्व सरमा ने यह भी कहा कि हमने कहा है कि शहरों के अंदर से नहीं जाना है... जो भी वैकल्पिक रास्ता मांगा जाएगा उसकी

अनुमति दे दी जाएगी लेकिन अगर शहर के अंदर से जाने की जिद्द की जाएगी तो हम पुलिस की व्यवस्था नहीं करेंगे। इस पर असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा कि हमने अनुमति मांगी थी... जनता चाहती है, जोरहाट के लोग चाहते हैं कि राहुल गांधी हमारे बीच से जाएं... ये लोग (असम सरकार) हमें क्या सुरक्षा देंगे, खुद जनता हमें सुरक्षा देगी। राहुल ने अपने संबोधन में कहा कि देश का सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। केवल दो–तीन उद्योगपतियों के लिए सरकार चलाई जाती है। नरेंद्र मोदी देश के एयरपोर्ट, कृषि और सारा इंफ्रास्ट्रक्चर अडानी को सौंप रहे हैं। ळैज और नोटबंदी ने छोटे–मध्यम उद्योग को खत्म कर दिया और नतीजा ये हुआ कि युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। ये युवाओं के खिलाफ अन्याय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का वादा है कि हम आपको सरकारी नौकरियां देंगे और छोटे–मध्यम इंडस्ट्रीज को फिर से खोलकर युवाओं को रोजगार देंगे।

साइबर अपराध रोकने के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करे पुलिस- कलराज मिश्र

एजेंसी
राजस्थान उन्होंने राजस्थान पुलिस द्वारा साइबर अपराध की जांच और भविष्य की कार्य योजना को वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप करने की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि इस हैकथॉन में विभिन्न टीमों ने साइबर अपराध की रोकथाम के विषय पर 36 घंटे तक काम किया। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि कम्प्यूटर जनित अपराधों को रोकने के लिए पुलिस कोई ऐसा वैज्ञानिक तंत्र विकसित करे जिससे साइबर अपराधों की प्रभावी रोकथाम हो सके। उन्होंने साइबर अपराध रोकने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) के सकारात्मक उपयोग पर भी जोर दिया। मिश्र

ने बृहस्पतिवार को राजस्थान पुलिस द्वारा आयोजित पहले साइबर सुरक्षा हैकाथॉन के समापन सत्र में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय और व्यक्ति की निजी गरिमा के हनन से जुड़े 'डीपफेक' अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए भी व्यवस्थित रूप में निरंतर काम हो। उन्होंने साइबर अपराध होने पर पुलिस के तुरंत हरकत में आने और इसके लिए प्रभावी पुलिस तंत्र विकसित करने का भी आह्वान किया। राज्यपाल ने 'ओटीपी' लेकर बैंक से पैसे हड़पने, नेटबैंकिंग पर सेंध लगाकर खाते से राशि निकालने तथा ऐसे ही भ्रमित कर और भी बहुत सारी वित्तीय धोखाधड़ी और निजता हनन के अपराध किये जाने की चर्चा करते हुए हुए इस संबंध में शोध, अनुसंधान और कंप्यूटर आंकड़ों के विश्लेषण की शिक्षा को बढ़ावा देने की भी आवश्यकता जताई। इस अवसर पर राज्य के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि साइबर अटैक अच्छे और बुरे के बीच युद्ध है। उन्होंने कहा कि एआई के लिए युवाओं की प्रतिभा को अवसर प्रदान करने तथा पुलिस को मजबूतकरने के लिए और अधिक प्रयास किए जाएं। उन्होंने राजस्थान पुलिस द्वारा साइबर अपराध की जांच और भविष्य की कार्य योजना को वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप करने की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि इस हैकथॉन में विभिन्न टीमों ने साइबर अपराध की रोकथाम के विषय पर 36 घंटे तक काम किया।

हरियाणा में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका, लोकसभा चुनाव से पहले प्रचार समिति के प्रमुख अशोक तंवर ने छोड़ी पार्टी

एजेसी।
नई दिल्ली संपर्क करने पर, तंवर ने पुष्टि की कि उन्होंने ।।च छोड़ दी है, लेकिन भारतीय

जनता पार्टी में शामिल होने के अपने अगले स्पष्ट कदम पर कोई टिप्पणी नहीं की। तंवर हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हैं, जिन्होंने 2019 में पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। वह नवंबर 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे, जिसके बाद वह अप्रैल 2022 में आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। हरियाणा में आम आदमी पार्टी को झटका देते हुए उसकी राज्य प्रचार समिति के अध्यक्ष अशोक तंवर ने गुरुवार को आप छोड़ दिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को लिखे अपने त्याग पत्र में, सिरसा के पूर्व सांसद तंवर ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ आपके जुड़ाव को देखते हुए, मेरी नैतिकता मुझे आम आदमी पार्टी, हरियाणा की चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष के रूप में बने रहने की अनुमति नहीं देगी। इसलिए, कृपया आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अन्य सभी जिम्मेदारियों से मेरा इस्तीफा स्वीकार करें। संपर्क करने पर, तंवर ने पुष्टि की कि उन्होंने ।।च छोड़ दी है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के अपने अगले स्पष्ट कदम पर कोई टिप्पणी नहीं की। तंवर हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हैं, जिन्होंने 2019 में पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। वह नवंबर 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे, जिसके बाद वह अप्रैल 2022 में आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। उनके आप छोड़ने की अटकलें थीं क्योंकि वह पिछले कुछ हफ्तों से पार्टी कार्यक्रमों से दूरी बना रहे थे। इस महीने के अंत में उनके भाजपा में शामिल होने की संभावना है। तंवर के करीबी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी द्वारा उन्हें राज्यसभा सीट के लिए नामांकित नहीं किए जाने से वह निराश थे और पिछले कुछ हफ्तों से उनसे संपर्क नहीं हो रहा था। तंवर दिल्ली में थे और उन्होंने हाल ही में बीजेपी नेताओं से मुलाकात की थी। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से भी मुलाकात की।

अयोध्याधाम के छः प्रमुख मार्गों पर होगा 200 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन–ए0के0 शर्मा

अयोध्याधाम में श्रद्धालुओं, यात्रियों एवं पर्यटकों को सुविधाजनक एवं सुलभ परिवहन सेवा उपलब्ध होगी

संवाददाता।
लखनऊ । प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्याधाम में श्री राम जन्मभूमि परिसर में निर्मित पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में व इसके बाद भी आने वाले श्रद्धालुओं, यात्रियों एवं पर्यटकों तथा स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए तथा उन्हें आरामदायक एवं सुलभ परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए नगर विकास विभाग द्वारा अयोध्याधाम के छः रूटों पर 200 इलेक्ट्रिक बसों को संचालित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में मुख्यमंत्री ने अयोध्यावासियों के लिए 50 ई–बसों और 25 ई–आटो की सौगात दी थी। ई–बसों के संचालन से अयोध्यावासियों और पर्यटकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में इन बसों में यात्री सफर भी कर रहे हैं। योगी सरकार के इस निर्णय से अयोध्या आने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं को काफी राहत मिलेगी।
नगर विकास मंत्री ने कहा कि 14 जनवरी को मुख्यमंत्री द्वारा एयरपोर्ट से अयोध्या धाम के लिए भी ई–बस सेवा का शुभारम्भ किया गया। आगामी 20 जनवरी तक नगर विकास विभाग द्वारा 200 इलेक्ट्रिक बसों को संचालित किया जायेगा। इसके अतिरिक्त 4 ई–बसें (7 मीटर) का एयरपोर्ट के यात्रियों की सुविधा के लिए महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से श्रीराम जन्मभूमि तक वाया लता मंगेशकर चौक मार्ग पर संचालन कराया जायेगा। जिन छः रूटों पर इन बसों का संचालन किया जाना है उसमें 23 किलोमीटर लम्बे कटरा रेलवे स्टेशन से सहादतगंज (रामपथ) पर लाल कलर कोड की 40 बसें चलेंगी, जिससे गोरखपुर एवं गोण्डा व इससे जुड़े मार्गों से आने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। सलारपुर से अयोध्याधाम बस स्टेशन तक 22 किमी0 लम्बे मार्ग पर पीले कलर कोड की 40 बसें, इससे लखनऊ मार्ग से आने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। अयोध्याधाम बस स्टेशन से भरतकुंड तक 41 किमी0 लम्बे मार्ग पर नारंगी कलर कोड की 40 बसों से प्रयागराज एवं सुल्तानपुर व इससे जुड़े मार्गों से आने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। अयोध्याधाम बस स्टेशन से बारून बाजार तक 33 किमी0 लम्बे मार्ग पर बैगनी कलर कोड की 40 बसों से बांदा एवं झांसी व इससे सम्बद्ध मार्ग के यात्रियों को सुविधा मिलेगी। अयोध्याधाम बस स्टेशन से पूरा बाजार तक 33 किमी0 लम्बे मार्ग पर हरे कलर कोड की 40 बसें चलायी जायेंगी, इससे वाराणसी एवं अकबरपुर व इससे सम्बद्ध मार्ग से अयोध्याधाम आने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से श्रीराम जन्मभूमि तक वाया लता मंगेशकर चौक से 17 किमी0 लम्बे मार्ग पर 04 इलेक्ट्रिक बसें चलायी जायेंगी,

एलडीए: जनता अदालत में आये 23 प्रकरणों में से 7 का मौके पर हुआ निस्तारण

संवाददाता।

लखनऊ। विकास प्राधिकरण में गुरूवार को जनता अदालतध् प्राधिकरण दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान नामांतरण, फ्री–होल्ड, रजिस्ट्री व अवैध निर्माण आदि से सम्बंधित कुल 23 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 07 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं, शेष प्रकरणों के निस्तारण के सम्बंध में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा समय–सीमा निर्धारित करते हुए अधिकारियों को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया।

सचिव पवन कुमार गंगवार ने बताया कि प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा जन सामान्य एवं आवंटियों की समस्याओं एवं उनके कार्यों को त्वरित गति से शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित किये जाने के लिए दिये गए निर्देशों के क्रम में प्राधिकरण भवन के कमेटी हॉल में "प्राधिकरण दिवसध्जनता अदालत" का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपाध्यक्ष महोदय द्वारा जनता अदालत में उपस्थित होकर जन सामान्य की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना गया।जनता अदालत में पहुंचे हरदोई रोड, अंध ो की चौकी निवासी कृपाशंकर ने प्रार्थना पत्र दिया कि उन्हें आजाद नगर योजना के सेक्टर–बी में आवंटित भूखण्ड संख्या–302 पर कुछ लोगों का अवैध कब्जा है। जिस पर उपाध्यक्ष ने सम्बंधित अधिकारियों को एक सप्ताह में प्रकरण की जांच करके कब्जा खाली कराने के निर्देश दिये। वहीं, रामकृष्ण पुरम कालोनी निवासी महावीर प्रसाद शर्मा द्वारा शिकायत की गयी आई0आई0एम0 चौराहे के पास कुछ लोग सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करके निर्माण कार्य करवा रहे हैं। इस पर उपाध्यक्ष ने जोनल अधिकारी को एक सप्ताह के अंदर स्थल का निरीक्षण करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

इस क्रम में स्मिता अग्रवाल ने प्रार्थना पत्र दिया कि उनकी ब्रहमकुंज कॉम्पलेक्स में दुकान है, जहां एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से शुल्क आदि वसूला जा रहा है। जिस पर सम्बंधित अधिकारी को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा जनता अदालत में पहुंचे घसियारी मंडी निवासी मो0 रईस ने बताया कि उन्हें टिकैतराय योजना में दुकान संख्या–17ध1 आवंटित है, जिसकी वह रजिस्ट्री कराना चाहते हैं। उन्होंने ब्याज में छूट देते हुए गणना कराकर रजिस्ट्री करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर अधिशासी अभियंता मनोज सागर को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। जनता अदालत में वित्त नियंत्रक दीपक सिंह, संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह, विशेष कार्याधिकारी राजीव कुमार, श्रद्धा चौधरी, रविनंदन सिंह, नजूल अधिकारी अरविंद त्रिपाठी, अधिशासी अभियंता मनोज सागर एवं संजीव कुमार गुप्ता समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एलडीए: काकोरी में अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की, गुड़म्बा में 180 रो–हाउस भवन व व्यावसायिक निर्माण सील

- लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-3 व प्रवर्तन जोन-5 की टीम ने की कार्यवाही

लखनऊ। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर शहर में अवैध निर्माणध्प्लाटिंग के खिलाफ लगातार चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरूवार को भी एलडीए के प्रवर्तन दस्ते ने बड़ी कार्यवाही की। इस दौरान काकोरी में लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में की गयी अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। वहीं, गुड़म्बा में अवैध रूप से निर्मित किये गये 180 रो–हाउस भवन व जानकीपुरम में एक व्यावसायिक निर्माण को सील किया गया। प्रवर्तन जोन–3 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि करन यादव, मनोज चंदवानी, मदन गोपाल तिवारी व अन्य द्वारा मौदा, मोहान रोड पर लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले–आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में आज सहायक अभियंता अनिल कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता भानु प्रकाश वर्मा, भरत पाण्डेय व प्रमोद कुमार पाण्डेय द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी गयी। इस दौरान डेवलपर द्वारा स्थल पर विकसित की गयी सड़कें, नाली, बाउन्ड्रीवॉल, बिजली के खम्भे आदि ध्वस्त कर दिये गये।

गन्ना क्रय मूल्य में 20 रुपए का इजाफा, सेमीकंडक्टर नीति मंजूर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में लिया गया फैसला

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में गन्ना क्रय मूल्य में इजाफा किया गया है, जिसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। साथ ही सेमीकंडक्टर नीति लागू कर दी गई है। कैबिनेट में 17 प्रस्ताव पेश को मुख्यमंत्री की सहमति से पारित हो गए है। मंत्रिपरिषद ने पेराई सत्र 2023–24 के लिए प्रदेश की समस्त चीनी मिलों (सहकारी क्षेत्र, निगम एवं निजी क्षेत्र) द्वारा क्रय किये जाने वाले गन्ने का राज्य परामर्शित मूल्य (एस0ए0पी0) का निर्धारण कर दिया है। गन्ने की अगैती प्रजातियों के गत वर्ष के 350 रुपये प्रति कुन्तल के मूल्य को पेराई सत्र 2023–24 में बढ़ाकर 370 रुपये प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार, सामान्य प्रजातियों के लिए गत वर्ष के 340 रुपये प्रति कुन्तल के मूल्य को पेराई सत्र 2023–24 में बढ़ाकर 360 रुपये प्रति कुन्तल किया गया है। अनुपयुक्त प्रजातियों के लिए गत वर्ष गन्ना मूल्य 335 रुपये प्रति कुन्तल था, जिसे पेराई सत्र 2023–24 में बढ़ाकर 355 रुपये प्रति कुन्तल किया गया है।मंत्रिपरिषद द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि पेराई सत्र 2023–24 हेतु निर्धारित किये गये राज्य परामर्शित मूल्य (एस0ए0पी0) के अनुसार देय गन्ना मूल्य का भुगतान चीनी मिलों द्वारा कृषकों को एक मुश्त दिया जाए। पेराई सत्र 2023–24 के लिए चीनी मिलों के वाह्य क्रय केन्द्रों से गन्ने का परिवहन मिल गेट तक कराये जाने के मद में होने वाली ढुलाई कटौती की दर 45 पैसे प्रति कुन्तल प्रति किलोमीटर अधिकतम 09 रुपये प्रति कुन्तल निर्धारित की जाए। गन्ना कृषकों एवं सहकारी गन्ना विकास समितियों के हितों के दृष्टिगत पेराई सत्र 2023–24 हेतु गन्ना समितियों एवं गन्ना विकास परिषदों को देय अंशदान की दर 5.50 रुपये प्रति कुन्तल निर्धारित की जाए एवं तद्नुसार उ0प्र0 गन्ना (पूर्ति एवं खरीद विनियमन) नियमावली, 1954 के नियम–49 में आवश्यक संशोधन कर दिये जाएं। ज्ञातव्य है कि पेराई सत्र 2023–24 हेतु गन्ने का राज्य परामर्शित मूल्य (एस0ए0पी0) निर्धारित किये जाने के सम्बन्ध में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में राज्य परामर्शित गन्ना मूल्य निर्धारण संस्तुति समिति गठित की गयी। समिति की संस्तुति, चीनी उद्योग की वर्तमान वित्तीय स्थिति, चीनी व अन्य सह–उत्पादों के बाजार मूल्य तथा भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चीनी उद्योग को सुदृढ़ करने हेतु लिए गये निर्णयों एवं गन्ना मूल्य का समय से भुगतान कराये जाने के दृष्टिगत कृषकों के हित में वर्तमान पेराई सत्र 2023–24 हेतु गन्ने का राज्य परामर्शित मूल्य (एस0ए0पी0) निर्धारित करने के साथ–साथ अन्य के सम्बन्ध में भी निर्णय लिया गया।

भाजपा सरकार ने नौजवानों को दिया धोखा– अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को ऐसे रास्ते पर धकेल दिया है, जहां नौकरी और रोजगार मिलना मुश्किल है। नौकरियां खत्म हो गई हैं। भाजपा की सरकार ने नौजवानों को धोखा दिया है, इसी तरह से किसानों से भी भाजपा ने झूठा वादा किया। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सिर्फ नारों से देश विकसित नहीं हो सकता है। भाजपा सरकार झूठ बोलती है, झूठे दावे करती है और सिर्फ झूठे सपने दिखाती है, इसके अलावा जमीन पर उसका कोई काम नहीं दिखाई देता है।

मीडिया से साक्षात्कार में कहा कि भाजपा सरकार ने नौकरियां छीन ली है। नौजवान बायोडाटा लेकर भटक रहा है। भाजपा ने नौजवानों को हर साल 2 करोड़ नौकरी देने का झूठा वादा किया था। बड़ी संख्या में पढ़े लिखे नौजवानों को इस सरकार में सम्मानजनक नौकरी नहीं मिल रही है। मजबूरी में युवा डिलीवरी ब्वाय और वेटर का काम करने पर मजबूर है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के 10 साल की सरकार में महंगाई और कर्ज से डूबे एक लाख से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या कर ली। महंगाई बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। किसानों की फसलों का लागत मूल्य भी नहीं निकल पा रहा है। भाजपा ने पुराने वादों को पूरा नहीं किया, अब विकसित भारत का सपना दिखा रही है। भाजपा सरकार ने यूपी में इन्वेस्टर समिट किया, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में 40 लाख करोड़ का एमओयू हुआ है। लेकिन आज तक कोई भी निवेश जमीन पर नहीं दिखाई दे रहा है। प्रदेश के किसी जिले में कहीं भी फैक्ट्री या कोई कंपनी लगती नहीं दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि जो उद्योगपति एमओयू साइन करने के लिए यूपी आये थे, वही बिहार भी गए, वही तमिलनाडु और गुजरात भी गए। देश के अन्य राज्यों के इन्वेस्टर समिट में भी गए। हर राज्य में वही बातें दोहरा कर आए। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश के हर वर्ग को तबाह कर दिया है। महंगाई, बेरोजगारी, अन्याय चरम पर है। देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं है। हमारे जवान लगातार शहीद हो रहे हैं। कहा कि भाजपा लोकतंत्र, संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म कर रही है। जनता के मुद्दों और उनके सवालों को उठाने पर विपक्ष के सांसदों को लोकसभा से निलंबित कर दिया जाता है। देश में लोकतंत्र, संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए भाजपा सरकार को हटाना जरूरी है। इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव में भाजपा सरकार को देश की सत्ता से हटाएगा। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में पीडीए– पिछड़ा दलित, अल्पसंख्यक, पीड़ित अगड़ों और आधी आबादी महिलाओं को एकजुट कर इंडिया गठबंधन को मजबूत कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पीडीए के साथ भेदभाव कर रही है। उनकी नौकरियां छीन रही है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपति बनाने और वहां की नौकरियों में पीडीए के साथ बड़े पैमाने पर भेदभाव हुआ है। भाजपा पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों की विरोधी है। वह सामाजिक न्याय की विरोधी है।

'उ0प्र0 सेमीकण्डक्टर नीति–2024' अनुमोदित

मंत्रिपरिषद ने 'उत्तर प्रदेश सेमीकण्डक्टर नीति–2024' को अनुमोदित कर दिया है। 'उत्तर प्रदेश सेमीकण्डक्टर नीति–2024' के प्रख्यापन से उत्तर प्रदेश को सेमीकण्डक्टर ईको सिस्टम का केन्द्र बनाने, रोजगार सृजन करने, कौशल विकसित करने तथा राज्य के लिए राजस्व उत्पन्न करने में मदद मिलेगी। नीति के माध्यम से सेमीकण्डक्टर क्षेत्र के निवेशकों को औचित्यपूर्ण छूट और प्रोत्साहन प्रदान किया जाना प्रस्तावित है, ताकि उत्तर प्रदेश में सेमीकण्डक्टर इकाइयों की स्थापना हो सके। वर्तमान में देश में सेमीकण्डक्टर से सम्बन्धित उद्योग स्थापित नहीं हैं। इस नीति के अन्तर्गत सेमीकण्डक्टर उत्पाद से सम्बन्धित निवेशक यदि प्रदेश में निवेश करते हैं, तो प्रदेश सेमीकण्डक्टर ही नहीं, अपितु इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में विनिर्माण, नवाचार, रोजगार सृजन की वृहद सम्भावनाएं उत्पन्न होंगी। सेमीकण्डक्टर इकाइयों की स्थापना और औद्योगीकरण के फलस्वरूप प्रदेश में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होगा, जिससे जन–सामान्य का सामाजिक–आर्थिक उत्थान होगा तथा प्रदेश की जी0डी0पी0 में वृद्धि होगी। 'उत्तर प्रदेश सेमीकण्डक्टर नीति–2024' तैयार करने के लिए राज्य सरकार ने ओडिशा और गुजरात की सेमीकण्डक्टर नीतियों की बेंचमार्किंग और विश्लेषण करते हुए इन नीतियों की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनी नीति में सम्मिलित किया। इसके अतिरिक्त, प्रदेश सरकार द्वारा इण्डिया सेमीकण्डक्टर मिशन, भारत सरकार तथा अन्य औद्योगिक संगठनों सहित उद्योग हितधारकों से परामर्श किया गया है। 'उत्तर प्रदेश सेमीकण्डक्टर नीति–2024' अधिसूचना की तिथि से 05 वर्षों के लिए वैध होगी। नीति की अधिसूचित तिथि से निवेश अनुमन्य होगा। नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आई0टी0 एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के अधीन यू0पी0 इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लि0 नोडल संस्था होगी। नोडल संस्था ईको–सिस्टम के सभी हितधारकों के साथ सम्पर्क हेतु एकल खिड़की के रूप में कार्य करेगी। एकल खिड़की संचालन के प्रबन्धन हेतु नोडल संस्था द्वारा एक समर्पित परियोजना प्रबन्धन इकाई (पी0एम0यू0) स्थापित की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के कार में बैठा संदिग्ध युवक, मचा हड़कंप

लखनऊ । केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को किडनैप करने की साजिश की सूचना पर राजधानी की पुलिस में हड़कंप मच गया। चूंकि एक संदिग्ध युवक उनकी कार में जा बैठा और गाड़ी लेकर भागने का प्रयास किया। आनन–फानन में पुलिस ने पहुंचकर आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। पूछताछ की तो पता चला कि पारिवारिक कारणों के चलते मानसिक रूप से परेशान है और पुलिस की गाड़ी समझकर बैठ गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद बुधवार को उसका चालान कर दिया। यह पूरी घटना मंगलवार सुबह की है। हालांकि कार में साध्वी निरंजन ज्योति नहीं थी। एडीसीपी साउथ शशांक सिंह ने बताया कि 16 जनवरी को थाना बंथरा को एक सूचना मिली कि केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति की गाड़ी पर एक व्यक्ति जाकर बैठ गया है। इस सूचना पर तत्काल बंथरा पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू की। जांच में यह सामने आया कि केंद्रीय मंत्री की गाड़ी जब उन्हें एयरपोर्ट पर रिसीब करने जा रही थी, उस समय थाना बंथरा के न्यू प्रधान ढावे पर चाय पीने के लिए कांस्टेबल चेतराम गाड़ी से उतर गया था। इस दौरान एक अज्ञात व्यक्ति केंद्रीय मंत्री की गाड़ी में जाकर बैठ गया। उक्त व्यक्ति की पहचान दीपक उपाध्याय के नाम से हुई। यह मथुरा के राजा थानाक्षेत्र का रहने वाला है। हाल में ये आलमबाग में रहता है । एडीसीपी साउथ ने बताया कि यह व्यक्ति गोमतीनगर स्थित एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है।

ड्रोन के माध्यम से अयोध्या तीर्थ क्षेत्र की निरन्तर निगरानी की जाये–डीजीपी

प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा एवं गणतन्त्र दिवस को लेकर पुलिस महानिदेशक ने जारी किये आवश्यक दिशा निर्देश

लखनऊ । पुलिस महानिदेशक विजय कुमार, पुलिस महानिदेशक द्वारा समस्त पुलिस आयुक्त, जोनल अपर पुलिस महानिदेशक, अपर पुलिस महानिदेशक समस्त रेलवे ,एसटीएफ , एटीएस , सुरक्षा ,यातायात, परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक , पुलिस अधीक्षक, प्रभारी जनपद को 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर उघ्द्घाटन व गणतन्त्र दिवस–2024 कार्यक्रम के दृष्टिगत सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था एंव यातायात प्रबन्धन के सम्बन्ध में कई निर्देश दिये गये। डीजीपी ने कहा कि समस्त कमिश्नरेट व जनपदों द्वारा रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, होटल, ढाबा, सराय, रेस्टोरेंट तथा भीड़–भाड़ वाले स्थलों की निरन्तर स्निफर डॉग एवं बम डिस्पोजल स्कवाड द्वारा सघन चेंकिग करायी जाये। चेकिंग के परिणामों की मुख्यालय स्थित नियंत्रण कक्ष के माध्यम से निरंतर मानीटरिंग की जा रही है। समस्त कमिश्नरेट व जनपद की सोशल मीडिया टीम 24ग्7 सोशल मीडिया के प्रत्येक प्लेटफार्म पर निगरानी रखें तथा मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया टीम से समन्वय रखते हुये कोई आपत्तिजनक व भ्रामक पोस्ट का तुरंत संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करें। समस्त जोन व कमिश्नरेट अधीनस्थ जनपदों से गुजरने वाले रेलवे ट्रैक के दोनो तरफ आवासित गांव एवं मोहल्ले में रहने वाले लोगों का सत्यापन कराया जाये एवं असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें। इन्डो–नेपाल बार्डर पर एसएसबी के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी चेकिंग व निगरानी रखी जाये। अयोध्या आने वाले सभी मार्गों पर सुगम यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था करायी जाये तथा ड्रोन के माध्यम से अयोध्या तीर्थ क्षेत्र की निरन्तर निगरानी की जाये। अयोध्या जी में प्रभु श्रीराम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर उद्घाटन व गणतन्त्र दिवस–2024 कार्यक्रम के दृष्टिगत पुलिस महानिदेशक द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से निर्देश दिये गये हैं।

अमृत सरोवरों के निर्माण एवं सुन्दरीकरण में अच्छा कार्य करने वाली निकाय को प्रदेश स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया जायेगा –ए.के. शर्मा

नगर विकास मंत्री ने अमृत-2.0 योजना के अन्तर्गत 23 नगरीय निकायों में निर्मित अमृत सरोवरों का किया शिलान्यास

संवाददाता।

लखनऊ । प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने अमृत–2.0 योजना के अन्तर्गत 23 नगरीय निकायों (नगरपालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों) की वाटर बाडीज रिजुवनेशन के लिए तैयार किये गये अमृत सरोवरों का वर्चुअल शिलान्यस किया और इस दौरान निर्मित तालाबों की वास्तविकता को भी वीडियो के माध्यम से देखा। इस दौरान उन्होंने सभी नगरपालिका परिषदों व नगर पंचायतों के चेयरमैन व अधिशासी अधिकारियों से अमृत सरोवरों के बेहतर संरक्षण एवं पुनर्निर्माण के बारे में संवाद भी किया। उन्होंने इन सभी निकाय अधिकारियों को अमृत सरोवरों के जीर्णोद्धार एवं सुन्दरीकरण के लिए स्वीकृत 39.87 करोड़ रूपये की धनराशि का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी की मंशा है कि सभी वाटर बाडीज, कुओं, तालाब व बाउली का संरक्षण किया जाय और इन्हें अच्छे तालाब, कुओं व अमृत सरोवरों के रूप में विकसित किया जाय, जिससे कि जल का संरक्षण किया जा सके, क्योंकि सभी वाटर बाडीज जल संरक्षण के अच्छे स्त्रोत हैं, इनका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है।

नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने गुरूवार को नगरीय निकाय निदेशालय में 23 नगरीय निकायों में निर्मित किये गये अमृत सरोवरों का वर्चुअल शिलान्यास करते हुए कहा कि निकायों के सभी पदाधिकारी और अधिकारी मिलकर अपने–अपने क्षेत्रों के तालाबों, वाटर बाडीज को अतिक्रमणमुक्त कराएं। इनका ऐसा जीर्णोद्धार, नवीनीकरण व पुनर्निर्माण कराएं, जिससे कि आने वाले 50 वर्षों तक इन अमृत सरोवरों का सदुपयोग हो सके, इसके लिए विधिवत प्लानिंग कर, इनोवेटिव सोंच रखकर इनका विकास कराएं और अच्छे सरोवर बनाएं। उन्होंने अधिकारियों को भी इन सरोवरों की नियमित रूप से मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवरों के निर्माण एवं सुन्दरीकरण में जो अच्छा कार्य करेंगे, उनको प्रदेश स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया जायेगा। मंत्री ने कहा कि अमृत सरोवरों के सुन्दरीकरण के लिए वृक्षारोपण किया जाय, बगीचे लगाये जाएं, जहां पर जरूरी हो वहां फूल–पौधे भी लगाये जाएं। 15 अगस्त और 26 जनवरी के दिन ध्वजारोहण हेतु स्थान भी बनाएं। लोगों को आने–जाने में आसानी हो, इसके लिए सीढ़ियां बनाएं, बच्चों के खेलने के स्थान, शौचालय, चेंजिंग रूम तथा कैफेटेरिया भी बनाये जा सकते हैं। उन्होंने वर्चुअल जुड़े सभी नगरपालिका परिषदों के चेयरमैन व नगर पंचायतों के अध्यक्ष, सभी पार्षद, सभासदों तथा गणमान्य नागरिकों को सादर प्रणाम करते हुए नये वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अमृत–2.0 योजना के तहत नगरपालिका परिषद चित्रकूट धाम कर्वी चित्रकूट के अमृत सरोवर राणा तालाब के पुनर्निर्माण हेतु 1.58 करोड़ रूपये, नगर पालिका परिषद मवाना, मेरठ के डिक्योली तालाब के लिए 1.31 करोड़ रूपये, नगरपालिका परिषद पडरौना, कुशीनगर के ध गोबीघाट पोखरा हेतु 1.68 करोड़ रूपये, नगरपालिका परिषद बांदा के बाबू साहब तालाब हेतु 1.68 करोड़ रूपये, नगरपालिका परिषद जालौन के पक्का तालाबध मुरली मनोहर तालाब के सुशोभन हेतु 40 लाख रूपये, नगरपालिका परिषद बांगरमऊ उन्नाव के तालाब का सुशोभन हेतु 63.34 लाख रूपये, नगरपालिका परिषद दादरी, गौतमबुद्ध नगर को 98.45 लाख रूपये तथा बुद्धबाबूपोन्ड के लिए 53.45 लाख रूपये, नगरपालिका परिषद नेहतौर, बिजनौर को 1.81 करोड़ रूपये, नगरपालिका परिषद भदोही की रामलपुर पोन्ड हेतु 28. 21 लाख रूपये, नगरपालिका परिषद अकबरपुर, अम्बेडकरनगर के दहीरपुर पोन्ड हेतु 1.88 करोड़ रूपये की स्वीकृति मिली है। इसी प्रकार नगरपालिका परिषद मवाना, मेरठ के कल्याण सिंह तालाब हेतु 2.09 करोड़ रूपये, नगरपालिका परिषद पुवाया शाहजहांपुर के कुण्डा तालाब को 1.97 करोड़ रूपये, नगरपालिका परिषद सरधना, मेरठ के सरधना तालाब को 1.33 करोड़ रूपये, नगरपालिका परिषद रसड़ा, बलिया के श्रीनाथ बाबा पोखरा को 1.49 करोड़ रूपये, नगरपालिका परिषद रामपुर के कस्तूरबा गांधी पक्षी विहार लेक के लिए 1. 17 करोड़ रूपये, नगर निगम अयोध्या के बानवीरपुर तालाब हेतु 4.44 करोड़ रूपये तथा नगरपालिका परिषद गुरसराय झांसी के राम तालाब को 1.70 करोड़ रूपये, नगर पंचायत टिटरौन सहारनपुर के अच्छादन पान्ड को 1.65 करोड़ रूपये, नगर पंचायत ननौता सहारनपुर को 1.46 करोड़ रूपये, नगर पंचायत रसूलाबाद उन्नाव के शेखना तालाब को 4.92 करोड़ रूपये, नगरपालिका परिषद विलासपुर, रामपुर की बिलासपुर झील को 4.51 करोड़ रूपये तथा नगरपालिका परिषद खेकड़ा बागपत को 38 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

अयोध्या सहित पूरे प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के तीर्थ व धार्मिक स्थलों पर साफ-सफाई का विशेष अभियान युद्धस्तर पर चल रहा - ए.के. शर्मा

संवाददाता।

लखनऊ । प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने श्री अयोध्याधाम में पुरुषोत्तम भगवान श्री राम मंदिर का आगामी 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दृष्टिगत प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को अपने धार्मिक, ऐतिहासिक, पर्यटक व सार्वजनिक स्थलों की साफ सफाई, कचरा मुक्त कर सुशोभित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने आह्वान किया है कि प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले सभी धार्मिक व तीर्थ स्थलों को साफ व सुन्दर बनाना है। इसी दृष्टि से सभी निकायों में भी साफ–सफाई व कचरामुक्त बनाने व सुशोभन के लिए 14 से 21 जनवरी तक एक सप्ताह का विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। उनगर विकास मंत्री ने नगरीय निकाय निदेशालय में स्वच्छ तीरथ अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि इस बार साफ–सफाई व कचरामुक्ति में कोई कमी न रह जाय, इस बात का ध्यान रखेंगे। भविष्य में ऐसी जगहें फिर से गन्दी न हों, इसके लिए सभी निकाय सुशोभन पर भी विशेष ध्यान देंगे। उन्होंने कहा कि सभी निकाय अपने धार्मिक व तीर्थ स्थलों की साफ–सफाई, सुशोभन में कोई कमी नहीं रखेंगे। ध्यान रखेंगे कि जहां पर ज्यादा लोग इकट्ठे होते हों, कचरा इधन–उधर न फेंका जाय, वहां पर डस्टबिन रखवाएं। ऐसे स्थानों के आस–पास खाली जगहों पर फूल–पौधे भी लगाये जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या सहित पूरे प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के तीर्थ एवं धार्मिक स्थलों पर साफ–सफाई का विशेष अभियान युद्धस्तर पर चल रहा है।उन्होंने कहा कि इस दौरान मंदिर के ट्रस्ट और मैनेजमेंट पदाधिकारी तथा आमजान व स्वयं सहायता समूह के सहयोग एवं भागीदारी से सफाई व सुशोभन का कार्य सुनिश्चित कराया जाय तथा मंदिरों, पूजा स्थलों से निकले फूल आदि का रीसाइकल भी किया जाय। सार्वजनिक शौचायलयों, गार्बेज पॉइंट की सफाई पर भी ध्यान देंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम पर भी ध्यान दिया जाय। नागरिकों को इसके लिए जागरूक किया जाय। मंत्री ने कहा कि सफाई महाअभियान में सभी निकाय अपने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों का भी सहयोग लेने का प्रयास करें। साथ ही स्वयं सहायता समूह, सारथी क्लब के सदस्यों, ब्रांड एंबेसडर के माध्यम से भी जन जागरूकता रैली निकाली जाए और स्वच्छता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं। प्लास्टिक निषेध के लिए सभी धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों व सार्वजनिक स्थलों के आसपास नो प्लास्टिक बैग क्षेत्र भी विकसित किए जाएं। लोगों को प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए भी जागरूक करें प्लास्टिक की बोतल, थैली, प्लेट, गिलास, कप,चम्मच को रिसाइकल करने की भी व्यवस्था की जाए। अभियान की डी ट्रिपल सी के माध्यम से तथा टोल फ्री नंबर 1533 से भी कार्यों की मॉनिटरिंग की जाए।

ड्राइंग एण्ड पेन्टिंग प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार सी.एम.एस. छात्रा को

लखनऊ, 18 जनवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर प्रथम कैम्पस की छात्रा एरीना खान ने अन्तर–विद्यालयी ड्राइंग एण्ड पेन्टिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स फॉर द इण्डियन स्कूल सार्टिफिकेट (एएसआईएससी) के तत्वाधान में आयोजित हुई प्रतियोगिता में लखनऊ के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथापि सी.एम. एस. की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने अपनी कलात्मक क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के साथ ही रचनात्मक सोच का प्रभावशाली उदाहरण प्रस्तुत किया। निर्णायक मण्डल ने इस प्रतिभाशाली छात्रा की सृजनात्मक व रचनात्मक प्रतिभा की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सी.एम. एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस प्रतिभाशाली छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस प्रकार की रचनात्मक व सृजनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से सी.एम.एस. अपने छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारने एवं उन्हें जीवन में आगे ही आगे बढ़ने हेतु सदैव प्रोत्साहित करता रहता है। सी.एम.एस. की इसी अनूठी शिक्षा पद्धति के फलस्वरूप विद्यालय के छात्र राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी पुरस्कार अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा द्वारा सम्मान समारोह किया आयोजित

झांसी। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा द्वारा आयोजित खिचड़ी भोज एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि डीआईजी जेल सुभाष शाक्य एवं विशिष्ट अतिथि बी के राय साहब जिला जज लेबर कोर्ट लखनऊ एवं उत्कृष्ट मौर्य, अशोक मौर्य पूर्व प्रत्याशी ऊंचाहार ,कार्यक्रम के संयोजक डॉ.रामायन मौर्य प्रदेश उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा कार्यक्रम के आयोजक अतुल्य टाइल्स के ऑनर अतुल कुशवाहा को लखनऊ महानगर अध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा नियुक्त किया ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुंवर आलोक कुशवाहा प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा एवं संचालन सत्येंद्र कुशवाहा प्रदेश महासचिव अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा , बृजेश मौर्य पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से प्रदेश कोषाध्यक्ष राधेश्याम मौर्य का विशेष योगदान रहा कार्यक्रम में पूरे प्रदेश से प्रत्येक जिले से चलकर लखनऊ आए सभी गणमान्य लोगों का हार्दिक आभार।कार्यक्रम में मुख्य रूप से आजमगढ़ से जिला कोऑपरेटिव अध्यक्ष लक्ष्मण मौर्य देवरिया से ओम प्रकाश कुशवाहा प्रदेश उपाध्यक्ष ई. दुर्गेश मौर्य ,प्रदेश सचिव संजय मौर्य ,प्रदेश सचिव अरुण मौर्य असिस्टेंट इंजीनियर पीडब्ल्यूडी पंकज मौर्य संतोष कुशवाहा , पिंटू मौर्य उत्तर प्रदेश सरकार में श्रम बोर्ड के सदस्य एवं प्रधान संघ मऊ के अध्यक्ष रजनीकांत मौर्य ,मान्यताप्राप्त पत्रकार अजय वर्मा मामा, प्रदेश उपाध्यक्ष भारत सिंह मौर्य , ई. पंकज मौर्य प्रदेश अध्यक्ष आईटी विभाग अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा,राजेश मौर्य पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी अखिल भारतीय कुशवाहा महासभाएवं कार्यक्रम में आए हुए सभी गणमान्य लोगों का हार्दिक आभाररणविजय मौर्य ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा में 100–100 युवाओं की टीम तैयार करेंगे एवं संगठन को मजबूती प्रदान करके समाज को नई दिशा एवं उचित राजनैतिक भागीदारी कुशवाहा महासभा सुनिश्चित करेगी।

आम आदमी पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ की बैठक सम्पन्न हुई

झांसी! आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष छवि यादव जी के निर्देश अनुसार बुंदेलखंड प्रांत व्यापार प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक लीलावती विवाह घर राठ जनपद हमीरपुर में बृजभान सिंह राजपूत जी प्रदेश सचिव के संयोजन मे सम्पन्न हुई, जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष बुंदेलखंड प्रांत प्रभारी स्वनेश सोनी जी विशिष्ट अतिथि के रूप में बुंदेलखंड प्रांत अध्यक्ष इरशाद खान व झांसी जिला अध्यक्ष राजेश भदौरिया जी, हमीरपुर जिला अध्यक्ष आसिर खान जी, बुंदेलखंड प्रांत सचिव राम पाल सिंह जी कोश्लेन्दर जी प्रभारी चित्रकूट यूथ विंग, लवलेश जी जिला महासचिव व्यापार प्रकोष्ठ हमीरपुर, भारती प्रजापति जिलाउपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ झाँसी ,पंकज निगम झाँसी जी,दिनेश कुमार साहू जी झाँसी ,संजीव रैकुवार जी झाँसी, सहित सैकड़ों बुंदेलखंड प्रांत के साथी व पदाधिकारी उपस्थित रहे,

झाँसी द्वारा नारी शक्ती वन्दन दौड का शुभारम्भ सफलता पूर्वक संपन्न हुआ

झांसी! एन०सी०सी० महानिदेशालय, नई दिल्ली निर्देशानुसार, एन०सी०सी० द्वारा 75वें गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाने के लिये नारी शक्ति वंदन रन का आयोजन किया जा रहा है। इस थीम को गणतंत्र दिवस की थीम के लिये चुना गया है। यह उभरती हुयी नारी शक्ति का प्रतीक है और भारतीय स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम में रानी लक्ष्मी बाई के वीरतापूर्ण प्रयास को मान्यता देता है। नारी शक्ति वंदन थीम की झलक स्वतंत्रता दिवस परेड, नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर भी दिखाई देगी दौड़ का उदघाटन कार्यक्रम वीरांगना लक्ष्मीबाई की कर्मस्थली झाँसी के किले पर किया गया। इस दौड़ को उत्तराखंड निदेशालय की मेजर शशि मेहता द्वारा किया जा रहा है। मेजर शशि मेहता लगभग 80 किमी प्रतिदिन दौड़ेगी। इस दौरान उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा तथा दिल्ली निदेशालय की 600 बालिका कैडिटो द्वारा उनका सहयोग किया जा रहा है। इस दौरान कैडेटस भी लगभग 2 से 5 किलोमीटर तक दौड़ेगी दौड़ को झाँसी किले पर शहीद हवलदार रघुराज सिंह की पत्नी, श्रीमती संतोष कुमारी, निवासी मऊरानीपुर एवं शहीद नायक हरभजन एस सिंह की पत्नी, श्रीमती रक्षपाल कौर, निवासी नगरा, झाँसी ने संयुक्त रूप से झण्डा दिखाकर रवाना किया। जोकि झाँसी किले में शुरू होकर ग्वालियर, आगरा, वृदावन, फरीदाबाद से होते हुये नईदिल्ली में प्रधानमंत्री रैली करिअप्पा परेड ग्राउड में 27 जनवरी 24 को समाप्त होगी

आसान हो हज का दुशवारियो भरा सफर - पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी

लखनऊ, पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने कहा कि अल्पसंख्यक कार्यमंत्रालय भारत सरकार और हज कमेटी ऑफ इंडिया के सुनियोजित कुप्रबंध के चलते हज 2023 की तरह इस साल भी हज बहुत दुशवारी भरा होने वाला है।अनीस मंसूरी ने अपने कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि इस वर्ष प्रदेश के मात्र 20500 लोग हज आवेदन कर सके हैं। इसी तरह देश के अन्य राज्यों से भी काफी कम संख्या में हज आवेदन भरने की रिपोर्ट मिली है,महाराष्ट्र 27500, केरल 25200, गुजरात 20700,कर्नाटका 14000, तेलंगाना 11500, दिल्ली 2500, राजस्थान 4117,इसकी एक मात्र वजह अल्पसंख्यक कार्यमंत्रालय और हज कमेटी ऑफ इंडिया है जिसमें सुनियोजित तरीके से हज कमेटी ऑफ इंडिया के पोर्टल को खत्म करके छप्प का पोर्टल इस्तेमाल कर रहे हैं, इस पोर्टल का सर्वर आये दिन डाउन रहा यहां तक कि हज आवेदन की आखिरी तारीख 15, जनवरी को पूरी तरह से ठप रहा।अनीस मंसूरी ने कहा कि पूर्व की सपा सरकार में जब हज आवेदन के लिये ₹ 300–लिये जाते थे तो अकेले उत्तर प्रदेश में 65000 से 70000 तक लोग हज आवेदन करते थे और 36000 से ज़्यादा लोग हज करने जाते थे,इसके विपरित जब मौजूदा सरकार ने निरुशुल्क हज आवेदन शुरू किया तो आवेदकों की संख्या लगातार कम होती जा रही है, पिछले साल हज का कोटा 31180 था लेकिन 26786 लोगों ने ही आवेदन किया और 24872 लोग हज करने गये।इस साल हज 2024 में मात्र 20500लोगों ने ही आवेदन किया है, पिछले वर्ष मिले कोटे को देखते हुए इस साल 10680, सीटें खाली जायेंगी।अनीस मंसूरी ने कहा कि हज में तमाम दुशवारियां इस लिये पैदा की जारही हैं कि सरकारी कोटे की बची सीटों को निजी टूर आपरेटरों को बेचा जा सके, उन्होंने कहा कि देश में हज यात्रा पर जाने वाले 85 प्रतिशत पसमांदा मुसलमान हैं जो सालों से अपनी खून पसीने की कमाई जोड़ जोड़ कर इकठ्ठा करते हैं लेकिन फिर भी हज आवेदन भरने से लेकर मक्का, मदीना में रहने तथा हज करके वापस आने तक तमाम दुशवारियों का सामना करना पड़ता है।अनीस मंसूरी ने कहा कि बड़े अफसोस की बात है कि हज 2023 में अल्पसंख्यक कार्यमंत्रालय और हज कमेटी ऑफ इंडिया की बद इन्तिजामी की वजह से न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि देश भर के करीब (1,40,000) एक लाख चालीस हजार हज यात्रियों को जितनी परेशानी उठानी पड़ी उतनी कभी किसी हज यात्री ने नहीं उठाई।उन्होंने कहा कि इस से भी अफसोस की बात तो यह है कि हाजियों की बसों को हरी झंडी दिखा कर रवाना करने वाले मौलाना हाजियों कि किसी परेशानी पर चुप्पी साधे रहे, उन्होंने ने कहा कि हज 2024 में भी हज आवेदकों को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन कोई मौलाना, धार्मिक संस्थायें ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमीअत उलेमा हिन्द,सभी चुप्पी साधे बैठे हैं। इस अवसर पर खुर्शीद आलम सलमानी (का) प्रदेश अध्यक्ष, मौलाना इलियास मंसूरी,हाजी नसीम मंसूरी, पप्पू कुरैशी, ऐजाज अहमद एडवोकेट, वाजिद सलमानी असलम नदवी,हाजी शब्बन मंसूरी, इमरान मिर्जा के अतिरिक्त काफी लोग मौजूद थे।

राजस्व वसूली विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

झांसी!!आज मण्डलायुक्त झांसी डॉ0 आदर्श सिंह की अध्यक्षता में झांसी मण्डल (जनपद–झांसी, जालौन एवं ललितपुर) की सीएम डैशबोर्ड पर कर एवं करेत्तर राजस्व वसूली तथा विकास कार्यों की मण्डलीय समीक्षा बैठक नवीन आयुक्त सभागार, झांसी में आयोजित की गई बैठक में सर्वप्रथम कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा की गयी, जिसमें मण्डलायुक्त द्वारा वाणिज्य कर विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग, आबकारी विभाग, परिवहन विभाग, विद्युत देय, नगर निकाय विभाग, मुख्य देय, विविध देय, वन विभाग, खनन विभाग, सिंचाई विभाग एवं मण्डी विभाग में वसूली की मासिक प्रगति का जायजा लिया गया। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान राजस्व वादों के निस्तारण की प्रगति खराब होने पर आयुक्त महोदय ने नाराजगी व्यक्त करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि राजस्व संहिता के अन्तर्गत अधिक से अधिक लम्बित वादों का निस्तारण पूर्ण किया जाये।

बिजौली औद्योगिक क्षेत्र स्थित आदिवासी बस्ती के नन्हे बच्चों को गर्म वस्त्र वितरित किए

झांसी! जनपद में वर्तमान समय में प्रचंड सर्दी का का कहर जारी है,जिसको दृष्टिगत रखते हुए आज उम्मीद रोशनी की समाजसेवी संस्था की सदस्या सिल्की अग्रवाल की दादी 'उज सुशीला अग्रवाल द्वारा बिजौली औद्योगिक क्षेत्र की मलिन बस्ती में निशुल्क संचालित उम्मीद की पाठशाला में पढ़ने वाले नन्हे विद्यार्थियों एवं नवजात शिशुओं को गर्म वस्त्र (मोजेंदटोपे)वितरित किए गए । संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से कईकार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं और यह पुनीत कार्य लगातार जारी है इस पुनीत कार्य के मौके पर संस्था अध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव, महासचिव राजेंद्र राय, स्थानीय पार्षद रिंकू वंशकार, सिल्की अग्रवाल, सुशीला अग्रवाल, डागोर मोहन यादव, अनिल कुमार, प्रीति सिंह,शहनवाज, अब्दुला निजाम खान आदि सदस्य मौजूद रहे ।

कच्ची व पीली ईंटों से बाउंड्री वाल निर्माण कराए जाने पर बिफरे ग्रामीण

गुस्साए ग्रामीणों ने रोकवाया निर्माण कार्य, अब तोड़कर फिर से बनेगी बाउंड्री वाल

मिल्कीपुर–अयोध्या मिल्कीपुर ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत सिधौना ग्राम पंचायत के खदरा गांव में निर्माणाधीन वाटर टैंक परिसर की बाउंड्री वॉल पीली तथा कच्ची ईंटों से निर्मित कराए जाने को लेकर भड़के ग्रामीणों ने जमकर हंगामा काटा और मानक के विपरीत कराए जा रहे निर्माण को रुकवा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्यदाई संस्था द्वारा समूचे गांव की गलियों एवं मुख्य रास्ते पर बने खड़ंजा, इंटरलॉकिंग तथा सीसी रोड को तुड़वाकर फेंक दिया गया है। जिसके चलते ग्रामीणों सहित आम जन का चलना दुश्वार हो गया है। बताते चलें कि हर घर जल योजना के तहत खदरा गांव में वॉटर टैंक का निर्माण कार्यदाई संस्था कासु इंफ्राटेक कंपनी की ओर से कराया जा रहा है। जिसमें वॉटर टैंक सहित बाउंड्री वाल का निर्माण कार्य जारी है। अधिकृत ठेकेदार द्वारा बाउंड्री वॉल निर्माण में पूरी तरह से कच्ची 1 पीली ईंटों का प्रयोग कर 5 फीट ऊंची बाउंड्री का निर्माण कर दिया गया। जिसे देख ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान जा पहुंचा और उन्होंने ग्राम प्रधान श्रीमती उमा सिंह के पति महेंद्र प्रताप सिंह को मानक विहीन निर्माण कराए जाने की जानकारी दी। सूचना पाकर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और नाराज ग्रामीणों ने मानक विहीन अवैध निर्माण रुकवा दिया तथा कंपनी के उच्चाधिकारियों को जानकारी दी। सूचना मिलते ही कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर सुनील सिंह अवर अभियंता शुभम शुक्ला के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने भी बाउंड्री वाल निर्माण में प्रयुक्त की गई ईट को अत्यंत घटिया बताते हुए निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार को खूब जमकर खरी खोटी सुनाई। उधर प्रधान के पति महेंद्र प्रताप सिंह ने कंपनी के डायरेक्टर प्रशांत रेड्डी से वार्ता कर उन्हें समूचे घटनाक्रम की जानकारी दी और अपने गांव में तोड़े गए इंटरलॉकिंग, सीसी रोड एवं खड़ंजा रोड को पुनर्निमित कराए जाने के बाद ही वॉटर टैंक सहित मानक विहीन निर्मित कराई गई बाउंड्री वाल को तुड़वाकर मानक के अनुरूप ही बाउंड्री वाल निर्माण कराए जाने की बात कही। मामले के संबंध में कंपनी के डायरेक्टर प्रशांत रेड्डी ने बताया कि पूरी बाउंड्री वॉल तोड़वाकर फिर से मानक के अनुरूप पक्की ईंटों से निर्मित कराया जाएगा। इसके साथ ही कंपनी के जिम्मेदार कर्मियों को हटाते हुए संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध भी कार्यवाही की जाएगी।

अंतिम व्यक्ति के उत्थान की अवधारणा हो रही आत्मसात –लल्लू सिंह

अयोध्या । विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत अमानीगंज धरौली ग्राम पंचायत में कैम्प लगाया गया। कैम्प का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह ने किया। विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में लोगो को केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारें में जानकारी दी गई। सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि अंतिम व्यक्ति के उत्थान की अवधारणा को आत्मसात करते हुए अंतिम व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। गरीबों को आवास, शौचालय, गैस व विद्युत कनेक्शन दिया गया है। इलाज के लिए आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख की व्यवस्था की गई है। सरकार के सर्वांगीण, सर्वसमावेशी व सर्वस्पर्शी विकास से कोई वर्ग व कोई भी क्षेत्र छूटने नहीं पाया है। सरकारी की योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत पात्रों को मिला है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के दिव्य भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के कुछ दि नही शेष है। केन्द्र व प्रदेश सरकार के प्रयासों की बदौलत अयोध्या विश्व पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित हो गई है। उद्यमियों की पसंद अयोध्या बनती जा रही है। रामनगरी में कई बड़े उद्यम घराने अपनो निवेश करने के लिए आतुर है। इससे क्षेत्र में रोजगार सृजन को काफी सम्बल मिलेगा। यह अयोध्या के साथ इससे जुड़े जनपदों में समृद्धि लाने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि एक बेहतर प्लान के साथ गांवो का विकास किया जा रहा है। गांवो की सड़को के मुख्य मार्गो से जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद सांसद लल्लू सिंह का स्थानीय लोगो ने स्वागत किया। मौके पर देवेन्द्र सिंह, पवन सिंह, अशोक मिश्र, अनूप सिंह, ब्रह्म प्रकाश शुक्ल, सर्वेश तिवारी, विशाल गुप्ता, गिरजा शंकर सहित भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, स्थानीय लोगो सहित विभागीय अधिकारियों, की मौजूदगी रही

राम की पैड़ी पर दुखदुरिया माता का पूजन करती महिलाएं

राम की पैड़ी पर 4000 महिलाओं ने किया दुखदुरिया माता का पूजन

संवाददाता अयोध्या । पूरे 1 वर्ष में चार नवरात्रें पढ़ते हैं दो नवरात्र सभी को मालूम है और दो गुप्त नवरात्र होते हैं उसमें से एक गुप्त नवरात्र पौष मास के शुक्ल पक्ष में पड़ता है जिसे शाकंभरी नवरात्र कहते हैं और इस नवरात्र के प्रथम दिन बृहस्पतिवार को प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर श्री राम जन्मभूमि परिसर में प्रभु श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो इसके लिए अयोध्या के महापौर तीन कलसा तिवारी मंदिर के महंत गिरीश पति त्रिपाठी की धर्मपत्नी अयोध्या नगर निगम की प्रथम महिला समाज सेविका वशिष्ठ फाउंडेशन की सचिव राजलक्ष्मी त्रिपाठी के संयोजन में राम की पैड़ी पर 4000 महिलाओं ने एक साथ अवसान मैया अर्थात दुखदुरिया माता का पूजन रामलला की प्राण प्रतिष्ठा सकुशल संपन्न हो और पूरे विश्व में सुख शांति हो सनातन धर्म का परचम लहरा इस उद्देश्य से माता का पूजन अर्चन किया।

अयोध्या धाम में महिलाओं का यह कार्यक्रम वशिष्ठ फाउंडेशन शैक्षिक एवं सामाजिक वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वाधान किया गया जिसमें 15–15 की टोली में 251 समूह में 4000 महिलाओं ने मैया का एक साथ विधि विधान पूर्वक पूजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ तीन कलसा तिवारी मंदिर के महंत अयोध्या नगर निगम के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने किया और कहा कि हमारे सनातन धर्म में अवसान माता की पूजन का बड़ा विधान है और ऐसा मानना है की माता से जो भी कामना की जाती है वह पूर्ण होती है यहां उपस्थित सभी बहनों ने विश्व शांति की प्रार्थना की रामला के लिए यह पूजा आयोजन की गई इससे बड़ी खुशी और क्या हो सकती है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की पत्नी नम्रता पाठक ने इस कार्यक्रम में सहभागी बनी माता का पूजन किया और कहा कि हम सभी भारतवासियों के लिए 22 जनवरी सबसे बड़ा दिन है हम सभी की मनोकामना पूर्ण हो रही है प्रभु श्री राम भव्य मंदिर में विराजमान हो रहे है इस अवसर पर हम बहनों ने अवसान माता की पूजा कर सुख समृद्धि और शांति की कामना की।कार्यक्रम की संयोजक राजलक्ष्मी त्रिपाठी ने सभी बहनों का आभार व्यक्त किया और कहा की सभी ने एक साथ मां सरयू के पावन तट पर राम की पहली पर उपस्थित हुई रामलला के लिए माता की पूजा की हम सभी आज से ही 22 जनवरी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जब प्रभु अपने मंदिर में विराजमान हो जाएंगे और हम सब बहाने उनका दर्शन पूजन करेंगे नए भव्य मंदिर में।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह, श्रीमती आभा सिंह, सीमा तिवारी, सरिता सिंह, आंचल मिश्रा, रूबी पोद्दार, सुभाषनी अवस्थी, पूर्व पार्षद बिंदु सिंह, प्रियंका अवस्थी, अमिता अवस्थी, कुसुम यादव, प्रीति पाठक, नेहा मौर्या, नीलम चौधरी, सीमा गौतम, प्रेरणा त्रिपाठी, रंजना शुक्ला, रूपम गुप्ता, सपना गुप्ता, स्वाति पांडे, गार्गी त्रिपाठी आदि हजारों महिलाएं उपस्थित रही।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए तैयार रामनगरी अयोध्या

प्राण प्रतिष्ठा समारोह सज–धजकर तैयार हुई रामनगरी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि पर बने भव्य राम मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा समारोह से पहले पूरी अयोध्या नगरी सज–धजकर तैयार हो चुकी है और यहां भगवान राम तथा उनके धनुष और बाणों को चित्रित करने वाली कलाकृतियों से सुसज्जित फ्लाईओवर पर लगी स्ट्रीटलाइट और पारंपरिक 'रामानंदी तिलक' विषय पर आधारित डिजाइन वाले सजावटी लैंपपोस्ट चहुंओर छटा बिखेर रहे हैं। राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण–प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहेंगी। इस महासमारोह में महज चार दिन शेष हैं और अयोध्या की ओर जाने वाली सभी सड़कें धार्मिक भावनाओं में रंग गयी हैं। लखनऊ से अयोध्या जाने वाले राजमार्ग पर जब आप यात्रा करेंगे, तो जगह–जगह राम मंदिर के विशाल पोस्टर लगे हुए पाएंगे। इन पोस्टर पर प्राण–प्रतिष्ठा समारोह की तिथि के साथ–साथ 'शुभ घड़ी आई, विराजे रघुराई' जैसे नारे छपे हुए हैं और इस तरह के पोस्टर से अयोध्या की सड़कें भी अटी पड़ी हैं।

राजमार्ग पर पड़ने वाले ज्यादातर होटल और ढाबों पर अयोध्या आने वाले भक्तों का स्वागत करते हुए बैनर लगे हुए दिखाई दिए, जिनपर भगवान राम की तस्वीर मौजूद थी। इनके अलावा भगवान राम की तस्वीर वाले भगवा झंडों के साथ नये मंदिर की तस्वीरें भी लगी हुई हैं। अयोध्या में प्रवेश करने पर आपको अपने आस–पास की फिजा में आध्यात्मिक अनुभूति का अहसास होता है। अयोध्या में भगवान राम तथा उनके धनुष एवं बाणों को चित्रित करने वाली कलाकृतियों से सुसज्जित फ्लाईओवर पर लगी स्ट्रीटलाइट और पारंपरिक 'रामानंदी तिलक' विषय पर आधारित डिजाइन वाले सजावटी लैंपपोस्ट चहुंओर छटा बिखेर रहे हैं। 'रामानंदी तिलक' माथे पर दो खड़ी सफेद रेखाओं के बीच केंद्र में एक लाल पट्टी बनाकर तैयार किया जाता है और भगवान राम के भक्त आमतौर पर इस प्रकार का तिलक लगाना पसंद करते हैं। कई स्थानीय निवासियों और अन्य स्थानों से अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के माथे पर यह तिलक लगा हुआ देखा जा सकता है। अयोध्या शहर में राम पथ और धर्म पथ दो मुख्य रास्ते हैं, जो इस वक्त आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, विशेष तौर पर यहां की साजो–सज्जा मनमोहक है। राम पथ, फैजाबाद शहर के सहादतगंज से अयोध्या शहर के नया घाट चौराहे तक 13 किलोमीटर की दूरी वाला मार्ग है। ''राम पथ और धर्म पथ दो ऐसे मार्ग हैं, जिन्हें आप कला के बेहतरीन नमूने के तौर पर देख सकते हैं। इन्हें प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अच्छी तरह से सजाया गया है। इन दोनों सड़कों के किनारे स्थापित सजावटी लैंप पोस्ट के डिजाइन लोगों की आस्था का सम्मान करते हुए अयोध्या के विकास को दर्शाते हैं।'' राम पथ और धर्म पथ, ये दोनों मार्ग लता मंगेशकर चौक पर आकर मिलते हैं, जो दिवंगत सुर साम्राज्ञी के नाम पर एक प्रतिष्ठित चौराहा है। यह चौराहा विशाल बैनर और डिजिटल डिस्प्ले से लैस है, जिसपर 'प्राण–प्रतिष्ठा' समारोह से जुड़ी जानकारियां और तस्वीरें यहां आने वाले भक्तों का स्वागत करती हैं। इतनी ही नहीं कुछ पोस्टर पर 'राम आएंगे' जैसी पंक्तियां भी लिखी हुई हैं।

संपादकीय

चुनावी मकसद से चर्चा ?

बहुआयामी गरीबी सूचकांक को एक पूरक पैमाना ही माना गया है। जबकि कैलोरी उपभोग की क्षमता एवं प्रति दिन खर्च क्षमता दुनिया में व्यापक रूप से मान्य कसौटियां हैं, जिन्हें अब भारत में सिरे से नजरअंदाज कर दिया गया है।

नीति आयोग ने कई महीने जारी अपनी रिपोर्ट को संभवतरू फिर से चर्चा में लाने के लिए ताजा एक डिस्कसन पेपर तैयार किया है। इसे– मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया सिंस 2005–06 (भारत में 2005–06 के बाद से बहुआयामी गरीबी) नाम से जारी किया गया है। इसमें पहले वाली रिपोर्ट के इस निष्कर्ष को दोहराया गया है कि 2013–14 से 2022–23 (यानी मोदी सरकार के कार्यकाल में) तक 24 करोड़ 82 लाख लोगों को बहुआयामी गरीबी के पैमाने पर गरीबी से बाहर लाया गया। डिस्कसन पेपर में नई बात सिर्फ यह दावा है कि जिस एल्कायर एंड फॉस्टर (एएफ) विधि से यह रिपोर्ट तैयार की गई, वह वैश्विक रूप से गरीबी मापने का स्वीकृत फॉर्मूला है। जबकि कुछ अर्थशास्त्री इस विधि में मौजूद खामियों के बारे में हो चुके शोध निष्कर्षों का उल्लेख करते हुए उसके सटीक होने पर सवाल उठा चुके हैं। बहरहाल, डिस्कसन पेपर जारी होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्विट किया। उसमें उन्होंने कहा कि यह निष्कर्ष बहुत उत्साहवर्धक है, जो समावेशी विकास के प्रति उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है।इस तरह जब देश लोकसभा चुनाव के मोड में प्रवेश कर चुका है, एक पुरानी रिपोर्ट के जरिए सरकार की अच्छी छवि पेश करने वाली सुर्खियां पेश करने अवसर एक बार फिर मेनस्ट्रीम मीडिया को मिला है। इससे सरकार समर्थकों को कुछ टॉकिंग प्वाइंट्स मिलेंगे। उनके शोरगुल के बीच इस मुद्दे की बारीकी में जाने की कोशिशें ना के बराबर होंगी, क्योंकि गरीबी के विमर्श को सायास ढंग से आम चर्चा से बाहर कर दिया गया है। नतीजतन, जिससे विपक्ष भी कोई सार्थक बहस खड़ी करने में अक्षम दिखता है। वरना, विशेषज्ञ यह बात पहले ही चर्चा में ला चुके हैं कि बहुआयामी पैमाना इनपुट आधारित विधि है, जिसमें जो सेवाएं किसी स्थान पर उपलब्ध हैं (भले संबंधित व्यक्ति उसका उपभोग करने में अक्षम हो), उन्हें उसकी गरीबी मापने की कसौटी मान लिया जाता है। इसीलिए इसे एक पूरक पैमाना ही माना गया है। जबकि कैलोरी उपभोग की क्षमता एवं प्रति दिन खर्च क्षमता व्यापक रूप से मान्य कसौटियां हैं, जिन्हें अब भारत में सिरे से नजरअंदाज कर दिया गया है।

अरबपतियों का कसता शिकंजा

ऑक्सफेम ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि शीर्ष पांच अरबपतियों की संपत्ति 2020 के बाद से दोगुनी हो गई है। यानी जब कोरोना महामारी की मार से आम जन की अर्थव्यवस्था बिगड़ी, इन अरबपतियों के लिए ये आपदा एक बेहतरीन अवसर साबित हुई।

अंतरराष्ट्रीय गैर–सरकारी संस्था ऑक्सफेम की इस बात के लिए तारीफ करनी होगी कि हर वर्ष जब स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में दुनिया भर के आर्थिक एवं राजनीतिक कर्ता–धर्ता जुटते हैं, तो वह उन्हें आगाह करता है। वह बताता है कि ये कर्ता–धर्ता जिन नीतियों को आगे बढ़ा रहे हैं, वह सबकी खुशहाली लाने के अपने वायदे में लगातार फेल हो रही हैं। ऑक्सफेम तथ्यों के साथ बताता है कि इन नीतियों आर्थिक गैर–बराबरी को किस हद तक बढ़ा दिया है। इस संस्था ने अपनी ताजा रिपोर्ट में विश्व अर्थव्यवस्था पर अरबपतियों के बढ़ते शिकंजे पर रोशनी डाली है। उसने बताया है कि शीर्ष पांच अरबपतियों की संपत्ति 2020 के बाद से दोगुनी हो गई है। यानी जब कोरोना महामारी की मार से आम जन की अर्थव्यवस्था बिगड़ी, इन अरबपतियों के लिए ये आपदा एक बेहतरीन अवसर साबित हुई। ऑक्सफेम ने बताया है कि 2020 के बाद से अरबपतियों की संपत्ति और भी बढ़ गई है, जबकि दुनिया की 60 फीसदी आबादी की आय घट गई है। ऑक्सफेम की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के शीर्ष पांच सबसे अमीर व्यक्तियों– इलॉन मस्क, बर्नार्ड अरनॉल्ट, जेफ बेजोस, लैरी एलिसन और मार्क जकरबर्ग– की संयुक्त संपत्ति साल 2020 के बाद 114 फीसदी या 464 अरब डॉलर से बढ़कर 869 अरब डॉलर हो गई है। ऑक्सफेम ने पाया कि एक अरबपति या तो बड़ी कंपनियां चलाता है या दुनिया की दस सबसे बड़ी कंपनियों में से सात में प्रमुख शेयरधारक होता है। एक अनुमान के मुताबिक शीर्ष 148 कंपनियों ने 1.8 ट्रिलियन डॉलर का मुनाफा कमाया, जो तीन साल के औसत से 52 प्रतिशत अधिक है। इससे शेयरधारकों को भारी रिटर्न मिला, जबकि लाखों श्रमिकों को जीवनयापन संकट का सामना करना पड़ा, क्योंकि महंगाई के कारण वास्तविक रूप से वेतन में कटौती हुई। ऑक्सफेम ने कहा है कि यह असमानता कोई संयोग नहीं है। बल्कि अरबपति वर्ग यह सुनिश्चित कर रहा है मौजूदा व्यवस्था अन्य सभी की कीमत पर उन्हें ज्यादा फायदा पहुंचाएं। यही कारण है कि जहां अरबों लोग महामारी, आर्थिक बदहाली, महंगाई और युद्ध की विभीषिका झेल रहे हैं, वहीं अरबपतियों की संपत्ति में उछाल आ रहा है।

भारतीय राजनीति में कलंक दोष

अहं जब सिर चढ़कर बोलता है तो आदमी को अपनी जीत पर उतनी खुशी नहीं होती जितनी दूसरे की हार पर होती है । भारतीय राजनीति में आज लगभग यही हो रहा है । हाल में बहुजन समाज पार्टी और सपा के बीच मायावती और अखिलेश का जो वाक युद्ध चला वह इसी बात का संकेत कर रहा है । मध्यप्रदेश में यदि कांग्रेस चार–छरू सीटें समाजवादी पार्टी को दे देती तो शायद सपा सपोर्टरों का वोट कांग्रेस को मिल जाता और वह ज्यादा सीटें जीत सकती थी । उसकी सरकार बनती या नहीं, यह दूसरी बात है । पर यदि सपा और कांग्रेस मिलकर मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ते तो शायद संभावना थी कि कांग्रेस का मुख्यमंत्री बन जाता । खैर, अब भाजपा को जब निश्चय है कि वह सन् 2024 का लोकसभा चुनाव जीत रही है तो क्यों कर वह विपक्ष को पूरी तरह बदनाम करने पर लगी है । कांग्रेस यदि रामलला के कार्यक्रम में नहीं जा रही है तो वे हिन्दू विरोधी कैसे हो गये ? हिन्दू धर्म मात्र प्रभु राम तक सीमित नहीं है । सगुण भक्ति में बहुत से संत मात्र कृष्ण भक्त हैं । दक्षिण में शैव भक्त ज्यादा हैं, उनके लिए शिव ही प्रधान हैं। बंगाल और पूर्व में शाक्त ज्यादा हैं । उनके लिए दुर्गा ही प्रधान नहीं । जो ईश्वर की सत्ता को नहीं मानते, वे भी हिन्दू हैं। छरू दर्शनों में सांख्य और मीमांसा ईश्वर की सत्ता को नहीं मानते । पाणिनी वैयाकरण के स्फोट को ईश्वर मानता है । चार्वक कहता है जब तक जियो ऋण लेकर घी पियो–– यावत् जीवते ऋणं कृत्वा धृत्म् पीवते । बौद्ध बुद्धु को एक मात्र ईश्वर मानते हैं । जैन महावीर को एक मात्र ईश्वर मानते हैं ।कहावत है कि डाकुओं ने एक राजा को बलि देने से छोड़ दिया था क्योंकि उसका अंग–भंग हो चुका था । पूर्ण मानव कौन है ? जो सोलह संस्कारों को नहीं मानता, या अग्नि के सामने ली जाने वाली शपथ को नकारता है, उसको कैसे परिभाषित करेंगे ? हर बात पर और हर किसी के कथन पर भाजपा प्रवक्ताओं की प्रतिक्रिया से कम से कम देश को बुद्धिजीवी वोटर तो इसे ठीक नहीं मानते । यूं सभी राजनैतिक दलों की दृष्टि में यह बुद्धिजीवी अल्पसंख्या में हैं और उनके वोट मिले या न मिलें इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता । माननीय प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों को सलाह दी है कि आक्रामक न बनें, भक्ति और श्रद्धा दिखलायें ।

गठबंधनों की माया से मुक्त रहने का फैसला मायावती ने सोच समझ कर लिया है

मायावती का यह दांव राजनीतिक तौर पर निश्चित ही दूसरों की बजाय खुद के लिये बेहद फायदेमंद हो सकता है। क्योंकि बसपा का वोट बैंक उसी का है, उसमें कोई सेंधमार नहीं कर सकता। इसीलिये बसपा के लोकसभा का चुनाव अकेले लड़ने से कई फायदे मिलते नजर आ रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने आगामी लोकसभा चुनावों में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा करके न केवल विपक्षी इंडिया गठबंधन को चौंकाया है बल्कि नये राजनीतिक समीकरण खड़े कर दिये हैं। इंडिया गठबंधन के अन्य दलों को इस घोषणा से कोई विशेष फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी एवं भाजपा का चुनावी नफा–नुकसान इससे अवश्य प्रभावित होगा। यही कारण है कि तीनों दलों के रणनीतिकार अपने–अपने नजरिए से सियासी आंकलन करने में जुट गये हैं। मायावती अगर विपक्षी गठबंधन में शामिल होतीं तो उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी दोनों को फायदा हो सकता था, लेकिन अब यह फायदा भाजपा को मिल सकता है। हाल के दिनों में भाजपा की रीतियों–नीतियों को लेकर जिस तरह का उदार रवैया बसपा सुप्रीमो दिखा रही थीं, उससे भी ऐसे अंदाजे लगाए जा रहे थे कि वे इंडिया गठबंधन के लिये कोई उजाला नहीं बनेंगी। इस ताजे ऐलान की मुख्य वजह पहले ही दिखाई देने का एक बड़ा कारण मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित करना भी रहा है। आज जब सभी विपक्षी दल भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी के खिलाफ मिलकर एकजुट हुए हैं, उसमें बसपा जैसी बड़ी पार्टी का ना होना भी महत्वपूर्ण हो जाता है। निश्चित ही बसपा का हाथी इंडिया गठबंधन के सपनों को कुचलते हुए आगे बढ़ गया है। लम्बे समय तक उत्तर प्रदेश में शासन का अनुभव रखने वाली मायावती ने राजनीतिक सूझबूझ का परिचय देते हुए स्वतंत्र चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। मायावती के अकेले चुनाव लड़ने से बसपा को लोकसभा में सीटों का कितना फायदा होगा, यह तो भविष्य के गर्भ में है। लेकिन अपने वोट बैंक के लिहाज से मायावती ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर खिसकता हुआ जनाधार बढ़ाने का एक अचूक तीर चलाया है। उन्होंने अपने वोटरों को एक संदेश भी दिया है कि उनके वोट बैंक में कोई दूसरा हिस्सेदारी नहीं ले सकता है। जबकि समाजवादी पार्टी इस तरह का लाभ लेने के लिये तमाम तरह के दांवपेंच चलाती रही है। बसपा ने उ.प्र. में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर 1993 व 2019 में विधानसभा व लोकसभा के चुनाव लड़े थे। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार वर्ष 1993 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और बसपा में वोट ट्रांसफर हुआ था। जिसके चलते राज्य में गठबंधन की सरकार बनी थी। हालांकि, वर्ष 2014 में सपा–बसपा अलग–अलग चुनाव लड़े थे, लेकिन वर्ष 2019 में दोनों साथ मिलकर लड़े। इससे दोनों दलों को फायदा हुआ। यहां तक कि बसपा को ज्यादा फायदा हुआ क्योंकि 2014 में भाजपा के राजनीतिक गणित से मात खाकर बसपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। जबकि गठबंधन के साथ बसपा 2019 में दस लोकसभा सीट पाने में सफल रही। हालांकि, सपा को ज्यादा लाभ नहीं हुआ, उसके खाते में सिर्फ पांच लोकसभा सीट ही आईं। मायावती एवं अखिलेश यादव के बीच कुछ समय से खटास बढ़ने एवं अविश्वास की स्थितियां गहराती हुई दिख रही थीं, यही कारण है कि मायावती ने सपा के मुखिया को रंग बदलने वाला गिरगिट तक कह दिया। मायावती ने कहा कि जिन दलों के साथ बसपा ने पिछले चुनावों के दौरान गठबंधन किया था, उनके वोट का लाभ उनको न होकर गठबंधन दल को हुआ। बहरहाल, मायावती के एकला चलो के फैसले से इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका जरूर लगा है, खासकर देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी को आस थी कि मायावती विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनेंगी तो वोटों का बिखराव रोका जा सकेगा। खासकर दिल्ली की कुर्सी का रास्ता दिखाने वाले उत्तर प्रदेश में बढ़त लेने के लिये, जहां वंचित समाज में बसपा की मजबूत पकड़ का लाभ इंडिया गठबंधन को मिल सकता है। लेकिन मायावती ने अपने वोट बैंक को सुरक्षित, संरक्षित एवं वृद्धिगत करने के लिये ही यह दूरगामी फैसला लिया है, जिसका लाभ बसपा को मिलेगा। मायावती का यह राजनीति फैसला जनादेश और जनापेक्षाओं को ईमानदारी से समझने और आचरण करने का भी सही कदम है और सफलता ऐसे ही सही कदमों के साथ चलती है। मायावती का यह दांव राजनीतिक तौर पर निश्चित ही दूसरों की बजाय खुद के लिये बेहद फायदेमंद हो सकता है। क्योंकि बसपा का वोट बैंक उसी का है, उसमें कोई सेंधमार नहीं कर सकता। इसीलिये बसपा के लोकसभा का चुनाव अकेले लड़ने से कई फायदे मिलते नजर आ रहे हैं। पहला फायदा तो यही है कि पार्टी अपने पूर्व अनुभवों के लिहाज से मानकर चल रही है कि उसका वोट प्रतिशत कम नहीं होगा। दूसरा और महत्वपूर्ण फायदा बसपा को यह है कि उनके वोट का फायदा या हिस्सेदारी कोई अन्य दल नहीं ले सकता है। इन स्थितियों में अगर वोट प्रतिशत कम नहीं होता है, तो निश्चित तौर पर उनकी सीटें भी कहीं

कम नहीं होने वालीं। भाजपा की प्रचंड लहर में भी भले ही उनकी सीटें कम हों, लेकिन वोट प्रतिशत में कोई सेंधमारी नहीं हो सकी। इसलिए बरकरार वोट प्रतिशत के साथ अकेले सियासी मैदान में उतरना पार्टी के लिए फायदे का सौदा होगा। इन सभी गणनाओं के आधार पर अकेले चुनाव का रास्ता उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने एवं भविष्य के लिये बसपा को मजबूती देने वाला राजमार्ग बन सकता है। इसके अलावा कहा यह भी जा रहा है कि मायावती ने अपने उत्तराधिकारी आकाश आनंद के लिए इस चुनाव में पहली बार खुले तौर पर बगैर किसी दबाव के रणनीति बनाने और उसे अमली जामा पहनाने के लिए अकेले चुनाव लड़ने का बड़ा सियासी खेल खेला है। यह बात बिल्कुल सच है कि गठबंधन में रहकर आकाश आनंद के लिए अपनी रणनीतियों को आगे बढ़ाने की उतनी खुली आजादी नहीं मिल पाती।मायावती का ताजा घोषणाएं राजनीतिक क्षे में जहां हलचल पैदा करने का बड़ा कारण बनी है, तो वह विपक्षी दल इन घोषणाओं बौखलाये भी हैं। यही कारण कि विपक्षी दल आरोप लगा र हैं कि मायावती भाजपा सरका की केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवा से घबरायी हुई है। वे ईडी अन्य वित्तीय एजेंसियों क संभावित कार्रवाई की आशंक के दबाव में आकर ही यह फैसल किया हैं। इन आरोपों में सच्चा हो सकती है, लेकिन राजनीति से जुड़े तमाम नेता एवं दल क ा के धूले नहीं है, उन पर ऐस ईडी का साया मंडरा सकता फिर वे भी ऐसे ही राजग को ला पहुंचाने वाले निर्णय क्यों नहीं लेते भले ही विपक्षी दल बसपा राजग को परोक्ष रूप से ला पहुंचाने की रणनीति को इसी ष्टि से देखते हो, या इसी वज है कि बसपा सुप्रीमो ने उ तीखे–तल्ख नारों से परहेज कि है राह आसान हो सकती है।

कांग्रेस 22 जनवरी को क्या करेगी ?

अजीत द्विवेदी

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी को पूरे देश में दिवाली मनाई जाएगी। भाजपा, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद ने इसके लिए पूरा जोर लगाया है। बड़े शहरों की कॉलोनियों में और छोटे शहरों के मुहल्लों व कस्बों में स्थित मंदिरों के जरिए इसका अभियान चलाया जा रहा है। घरों में अक्षत की पुडिया और राममंदिर की तस्वीर पहुंचाने के साथ अनुरोध किया जा रहा है कि लोग घरों के बाहर दीये जलाएं और बिजली की लडियों से घरों को वैसे ही सजाएं, जैसे दिवाली में सजाते हैं। दिल्ली में तो यह प्रस्ताव भी दिया जा रहा है कि अगर लोग खुद बिजली–बत्ती नहीं लगवा सकते हैं तो आरडब्लुए या स्थानीय मंदिर की ओर से एक निश्चित रकम के बदले तीन दिन के लिए घरों की सजावट कराई जा सकती है। दिवाली की तरह आतिशबाजी की भी तैयारी हो रही है।

हो सकता है दक्षिण भारत में इस प्रचार का असर कुछ कम देखने को मिले लेकिन यह तय है कि समूचे उत्तर भारत में 22 जनवरी को दिवाली मनाई जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिन में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शामिल होंगे तो शाम में दिवाली मनाते हुए उनकी तस्वीर मीडिया और सोशल मीडिया में वायरल होगी। सारे केंद्रीय मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के नेताओं की भी तस्वीरें वायरल होंगी। कुछ विपक्षी पार्टियों ने भी अपनी योजना बनाई है। जैसे नवीन पटनायक की पार्टी पुरी परिक्रमा पथ पर हर दिन 10 हजार लोगों से परिक्रमा करा रही है तो अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने सुंदरकाड का पाठ शुरू कराया है। सवाल है कि उस दिन कांग्रेस क्या करेगी? क्या कांग्रेस ने कोई योजना बनाई है? राहुल गांधी की यात्रा चल रही होगी और वे 22 जनवरी को पूर्वोत्तर में ही होंगे लेकिन क्या वे वहां किसी मंदिर में जाएंगे? पिछली भारत जोड़ो यात्रा के दौरान वे धार्मिक स्थलों का दौरा करते हुए आगे बढ़े थे। वे 22 जनवरी को जहां हो वहां अगर किसी मंदिर में जाते हैं या उनकी पार्टी यात्रा के रूट में कहीं कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करती है तो वे कांग्रेस के हिंदू विरोधी और रामद्रोही होने के प्रायोजित अभियान का कुछ हद तक जवाब दे पाएंगे।

ध्यान रहे शिव सेना के नेता उद्धव ठाकरे ने तय किया है कि वे अपनी पार्टी के सभी नेताओं को लेकर नासिक जाएंगे और कालाराम मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्षी पार्टियों के हर कदम पर कितनी बारीक नजर रखे हुए हैं यह इससे पता चलता है कि जैसे ही उन्हें जानकारी मिली की उद्धव ठाकरे 22 जनवरी को नासिक के कालाराम मंदिर में जाएंगे वैसे ही प्रधानमंत्री का वहां जाने का कार्यक्रम बन गया। प्रधानमंत्री मोदी 12 जनवरी को देश के सबसे बड़े समुद्री पुल का उद्घाटन करने मुंबई गए तो उससे पहले नासिक चले गए और कालाराम मंदिर में झाड़ू लगाई, पूजा अर्चना की और बैठ कर झाल–मंजीरा बजाया। ऐसी मान्यता है कि भगवान राम अपने वनवास के समय नासिक में उसी जगह रूके थे, जहां कालाराम मंदिर है।

बहरहाल, उद्धव ठाकरे ने तो अपना कार्यक्रम तय कर लिया है। वे नासिक के कालाराम मंदिर में जाएंगे और भगवान राम के वनवास की तरह अपने और शिव सेना के वनवास का मैसेज बनवाएंगे और भावनात्मक कार्ड खेलेंगे। बीजू जनता दल और आम आदमी पार्टी का कार्यक्रम भी तय है। लेकिन क्या कांग्रेस के पास ऐसी कोई योजना है? कांग्रेस की उत्तर प्रदेश कमेटी के नेता 15 जनवरी को रामलला की पूजा करने अयोध्या गए। लेकिन यह पता नहीं है कि वे 22 जनवरी को क्या करेंगे? ध्यान रहे उस दिन सोनिया व राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा पर सबकी नजर रहेगी। प्रियंका गांधी वाड्रा मंदिरों में जाती हैं और पारंपरिक तरीके से पूजा–पाठ करती हैं। उनका मंदिर जाना बहुत स्वाभाविक दिखता है। इसलिए वे 22 जनवरी को अगर किसी राममंदिर में जाएं तो कांग्रेस व अपने परिवार की ओर से रामभक्तों को बड़ा मैसेज दे सकती हैं।

कांग्रेस के साथ बड़ी समस्या यह है कि उसके पास कोई ऐसा नेता नहीं है, जिसके चेहरे से वह व्यापक हिंदू समाज को अपनेपन या भावनात्मक जुड़ाव का मैसेज दे सके। ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस पूरी तरह से अपने पारंपरिक स्वरूप को छोड़ चुकी है। एक समय था, जब कांग्रेस में हर विचारधारा के लोग होते थे। अगर साम्यवादी और समाजवादी सोच वाले नेता थे तो दक्षिणपंथी व धार्मिक विचारधारा के भी नेता होते थे। इससे पार्टी सैद्धांतिक मामलों में संतुलन बनाने में कामयाब रहती थी। आजादी की लड़ाई में भी कांग्रेस के अंदर वैचारिक भिन्नता बहुत साफ दिखती थी। महात्मा गांधी रामराज्य की बात करते थे और घनघोर धार्मिक प्रवृत्ति के थे तो नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जवाहरलाल नेहरू जैसे नेता प्रगतिशील, समाजवादी और कुछ हद तक साम्यवादी सोच के प्रतिनिधि चेहरे थे। मदन मोहन मालवीय से लेकर राजगोपालाचारी, गोविंद वल्लभ पंत, लाल बहादुर शास्त्री, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जैसे अनेक नेता हिंदू भावनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले थे। कुछ समय पहले तक कांग्रेस में इस धारा के नेता मौजूद रहे। लेकिन अब कांग्रेस में ऐसा कोई नेता नहीं बचा है या बचा है तो उसे कुछ भी बोलने या स्टैंड लेने की आजादी नहीं है।

जिस तरह से भाजपा पूरी तरह से कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी बन गई है और एक भी नेता ऐसा नहीं है, जो मध्यमार्ग की बात कर सके तो दूसरी ओर कांग्रेस पूरी तरह से वामपंथी रंग में रंग गई है, जिसमें कोई भी राइट टू सेंटर यानी मध्यमार्ग से दक्षिणपंथ की ओर झुकाव वाला नेता नहीं बचा है। अगर कोई बचा है तो उसको भाजपा या संघ के एजेंडे के तौर पर मार्क किया जा चुका है। यह कांग्रेस के लिए बहुत आत्मघाती स्थिति है। उसे तत्काल कुछ उदार और दक्षिणपंथी नेताओं की जरुरत है ताकि पार्टी की सोच और उसकी गतिविधियों में संतुलन बने। ध्यान रहे अमेरिका से लेकर यूरोप और अफ्रीका से लेकर लैटिन अमेरिका तक दक्षिणपंथी राजनीति का रूझान बढ़ रहा है। जनता आधुनिक समय की मुश्किलों और अनिश्चितताओं की वजह से अरक्षित महूसस कर रही है और धार्मिकता की ओर उसका रूझान बढ़ रहा है। इसलिए दुनिया भर की पार्टियां अब कट्टर वैचारिकी वाले नेताओं की जगह लचीले नेताओं को आगे बढ़ा रही हैं ताकि धार्मिक जनता के मन में उस पार्टी के प्रति दुराव का भाव नहीं पैदा हो। नेता खुद भी अपनी सोच और नीतियों में लचीलापन दिखा रहे हैं।

एक मिसाल अभी फ्रांस में देखने को मिली, जहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपनी सरकार में फेरबदल की है। उन्होंने तीन ऐसे नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया है, जो उनकी पार्टी के अंदर कट्टर दक्षिणपंथी राजनीति के लिए जाने जाते हैं। इनमें से एक को उन्होंने संस्कृति मंत्री बनाया है, दूसरे को श्रम व स्वास्थ्य मंत्री और तीसरे को शिक्षा मंत्री बनाया है। फ्रांस में कट्टर दक्षिणपंथी सोच वाले नेताओं को संस्कृति और शिक्षा जैसे मंत्रालय देने के मैक्रों को फैसले से समूचे यूरोप की बदलती राजनीति को समझा जा सकता है।

कांग्रेस के सामने एक मॉडल टोनी ब्लेयर का है, जिसके बारे में बहुत लिखा जा चुका है। लोग कितनी बार कांग्रेस और राहुल को समझा चुके हैं कि जिस तरह ब्लेयर ने न्यू लेबर का नारा दिया और कंजरवेटिव पार्टी से बिल्कुल कंट्रास्ट की राजनीति करके अपनी पार्टी को सत्ता में ले आए उसी तरह से राहुल को न्यू कांग्रेस का नारा देना चाहिए। उन्होंने वही किया है। सोशल सेक्टर में काम करने वाले और वामपंथी बुद्धिजीवियों की संगत की है और उनके हिसाब से कांग्रेस को भाजपा के कंट्रास्ट में खड़ा करने की कोशिश की है। लेकिन यह मॉडल भारत में चल नहीं रहा है क्योंकि भारत में नरेंद्र मोदी ब्रांड राजनीति का चस्का लोगों को अभी लगा है, जबकि ब्रिटेन में मारग्रेट थैचर और जॉन मेजर लंबे समय तक कंजरवेटिव राजनीति करते रहे थे। इसलिए राहुल के सामने दूसरा मॉडल इमैनुएल मैक्रों का है। कांग्रेस को चाहिए कि पार्टी के अंदर मध्यमार्गी या दक्षिणपंथी विचार वाले नेताओं को जगह दे और उनकी बात सार्वजनिक स्पेस में रखने की इजाजत दे। यह सुनिश्चित करे कि उन्हें भाजपा और संघ का एजेंट नहीं कहा जाएगा। इसका भी लाभ तत्काल नहीं मिलेगा लेकिन इससे कांग्रेस की छवि बदलनी शुरू होगी। भाजपा का कंट्रास्ट बनाने की बजाय कांग्रेस को उसका विकल्प बनना है। दोनों की आर्थिक नीतियों में तो कोई फर्क है नहीं इसलिए सामाजिक नीतियों में अगर कांग्रेस अपने को बदलेगी तो उसको फायदा होगा।

उत्साहित करने के साथ डराती भी है तीन दशक की यह यात्रा

तीन दशक पहले अमेरिका में संपन्न सुपर हाईवे सम्मेलन की छोटी–सी शुरुआत, जिस तरह इंटरनेट आधारित अर्थव्यवस्था के विविध सोपानों, जैसे– नए वेब ब्राउजर, मोबाइल इंटरनेट से लेकर ऑनलाइन पेमेंट, युद्धों में तकनीक का इस्तेमाल और अब जेनरेटिव एआई तक जा पहुंची है, वह उत्साहित करने के साथ डराती भी है।

तीस साल पहले की बात है। जनवरी का ग्यारहवां दिन था। जब सरकार, शिक्षा और संचार क्षेत्र की दो दर्जन से ज्यादा हस्तिय कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में आयोजित एक भविष्य–उन्मुखी सम्मेलन में शामिल हुई थीं, जिसका नाम था–'सुपर हाईवे समिट'। इससे जुड़ा एक दिलचस्प वाकया है। सम्मेलन का आयोजन दरअसल टेलीविजन, आर्ट्स व साइंसेज अकादमी के रिचर्ड फ्रैंक कर रहे थे, जिन पर चुटकी लेते हुए तत्कालीन अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल गोर ने कहा, 'जो टेलीविजन पर नहीं आया, समझो हुआ ही नहीं।' ठीक ऐसा ही कुछ आप आज 2024 के लिए भी कह सकते हैं कि, जो इंटरनेट व सोशल मीडिया पर नहीं है, उसका अस्तित्व ही नहीं है। दुनिया में इंटरनेट के विकास का अलबत्ता एक लंब इतिहास रहा है।

एक तरह से देखें, तो सुपर हाईवे समिट के साथ ही इंटरनेट के सुपरहाईवे और इंटरनेट आधारित इकनॉमी की शुरुआत देखी जा सकती है। 1994 में एनसीएसए मोजैक और नेटस्केप के वेब ब्राउजर शुरू होने के बाद माइक्रोसॉफ्ट विंडोज एक्सप्लोरर यूजर्स के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू यानी वर्ल्ड वाइड वेब लाया। इस तरह एक छोटी–सी शुरुआत थोड़ा झिझकते हुए वैश्विक इंटरनेट इकनॉमी की तरफ बढ़ी।

2024 में विश्व की औसत आयु करीब साढ़े 30 वर्ष अनुमानित है। इससे जाहिर होता है कि दुनिया की आठ अरब से ज्यादा आबादी का करीब आधा हिस्सा इंटरनेट के युग में ही पैदा हुआ है। पूरी दुनिया में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या 5.3 अरब से ज्यादा है और यह लगातार बढ़ भी रही है। गूगल जो एक संज्ञा है, जवाब खोजने की क्रिया बन गई है। वेब (जाल) केवल वही नहीं रह गया, जो मकड़ियां बुनती हों। फिल्में व संगीत स्ट्रीम होने लगे हैं। सामाजिकता निभाने के लिए सोफे से उठने तक की जरूरत नहीं पड़ रही है। अभिव्यक्तियां संक्षिप्त होती जा रही हैं। अमेरिकी विज्ञान गल्प कथाकार इसाक असिमोव की सभी भविष्यवाणियां अब मोबाइल की स्क्रीन पर साफ दिख रही हैं। हालांकि बदलाव का चक्र काफी छोटा रहा है। सबसे ज्यादा उपयोग में लाए गए एप्लीकेशन और सबसे बड़ी इंटरनेट आधारित कंपनियां हालिया इतिहास का अंग हैं। 1994 तक अमेजॅन की पहचान दक्षिण अमेरिका की केवल एक शांत नदी होने तक सीमित थी। उबर कोई सवारी नहीं, बल्कि एक विशेषण था। मेटा (पूर्व नाम फेसबुक), एक्स (पूर्व नाम ट्विटर), सर्वव्यापी व्हाट्सऐप, स्पॉटिफाई, शॉपिफाई, बुकिंग डॉट कॉम, एयरबीएनबी, नेटफ्लिक्स इत्यादि कॉरपोरेट की दुनिया की जेनरेशन जेड में शुमार होते हैं। तकनीकी पहुंच को भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें, तो अलग ही कहानी दिखेगी। अलेक्जेंडर ग्राहम बेल को 1876 में टेलीफोन के लिए पेटेंट मिला। लेकिन दो–तिहाई भारतीयों को 1990 के दशक तक फोन नहीं मिल सका था। इंटरनेट भी भारतीयों के नसीब में तब आया, जब 1995 में वीएसएनएल द्वारा मुहैया कराया गया। पर आज करीब 1.2 अरब भारतीय मोबाइल फोन और 80 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। 53 करोड़ से ज्यादा लोग व्हाट्सऐप पर हैं और यू–ट्यूब के कुल 2.7 अरब यूजर्स का पांचवां हिस्सा भारत में है। इंटरनेट का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव ऑनलाइन भुगतानों में इसके बढ़ते उपयोग के रूप में दिखता है। भारत का डिजिटल सार्वजनिक मॉडल, आधार द्वारा प्रदत्त पहचान की बदौलत अब विकासशील दुनिया के लिए आदर्श बन चुका है। भारतीय राष्ट्रीय पेमेंट कॉरपोरेशन द्वारा दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2023 में करीब 50 करोड़ आईएमपीएस भुगतान हुए। वहीं सर्वव्यापी यूपीआई प्लेटफॉर्म पर साढ़े 11 अरब भुगतान हुए। हालांकि वैश्विक आर्थिक विकास में इंटरनेट के योगदान पर निरंतर बहस चल रही है। मैकिंसे के अध्ययन के अनुसार, 2011 में इंटरनेट उपयोगकर्ता दो अरब थे, जबकि इंटरनेट आधारित इकनॉमी ने करीब 8 खरब डॉलर का योगदान दिया।

भारतीय मूल के मंत्री ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद दिया इस्तीफा

मीडिया में आई खबरों के अनुसार, उनकी गिरफ्तारी के संबंध में 14 जुलाई को सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गई थी लेकिन जांच की प्रकृति के बारे में विवरण नहीं दिया गया था। हालांकि, ईश्वरन ने प्रधानमंत्री ली सीन लूंग को लिखे अपने त्याग पत्र में, सीपीआईबी द्वारा उन पर लगाए गए विभिन्न आरोपों को खारिज कर दिया है।सिंगापुर। सिंगापुर में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय मूल के परिवहन मंत्री एस. ईश्वरन ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) से इस्तीफा दे दिया। समाचार पत्र द स्ट्रेट्स टाइम्स की खबर के अनुसार, ईश्वरन (61) संसद की सदस्यता भी छोड़ेंगे। भ्रष्ट आचरण अन्वेषण ब्यूरो (सीपीआईबी) ने अपनी जांच के तहत पिछले साल 11 जुलाई को उन्हें गिरफ्तार किया था। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, उनकी गिरफ्तारी के संबंध में 14 जुलाई को सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गई थी लेकिन जांच की प्रकृति के बारे में विवरण नहीं दिया गया था। हालांकि, ईश्वरन ने प्रधानमंत्री ली सीन लूंग को लिखे अपने त्याग पत्र में, सीपीआईबी द्वारा उन पर लगाए गए विभिन्न आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने पत्र में कहा, मैं आरोपों को खारिज करता हूं और अब अपनी छवि साफ–सुथरी करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा। परिस्थितियों को देखते हुए मुझे लगता है कि मेरे लिए कैबिनेट, संसद सदस्य के रूप में और पीएपी के सदस्य के रूप में इस्तीफा देना उपयुक्त है। ईश्वरन ने प्रधानमंत्री को 17 जनवरी को लिखे पत्र में कहा था कि वह जुलाई 2023 में सीपीआईबी जांच शुरू होने के बाद से मिले वेतन और भत्ता वापस कर देंगे।

भारत को दुनिया का सबसे भरोसेमंद देश बना दिया है

वैष्णव ने यहां विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक–2024 में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस मजबूत नींव को रखा है, उसे देखते हुए भारत कम से कम अगले 10 साल तक 6–8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि हासिल करेगा।दावोस। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को दुनिया के लिए सबसे भरोसेमंद देश बना दिया है। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि वैश्विक व्यवसायों को इस भरोसे के अनुरूप भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता का लाभ उठाना चाहिए। वैष्णव ने यहां विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक–2024 में पीटीआई–के साथ साक्षात्कार में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस मजबूत नींव को रखा है, उसे देखते हुए भारत कम से कम अगले 10 साल तक 6–8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे में सभी के लिए और सभी क्षेत्रों में भरपूर अवसर होंगे। उन्होंने कहा, कारोबारी हस्तियों, निवेश बैंकरों, प्रौद्योगिकी सीईओ और अन्य नेताओं के साथ बैठकों में, एक बात जो बहुत स्पष्ट रूप से सामने आई, वह है भारतीय अर्थव्यवस्था की जुझारू क्षमता। लोग इसके बारे में अधिक जानना चाहते हैं। वैष्णव ने कहा, लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के बारे में गहराई से जानना चाहते हैं। मैंने कई शीर्ष निवेश बैंकरों और वैश्विक सीईओ के साथ चर्चा की है कि कैसे प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिरता और मजबूती दी है। उन्होंने अर्थव्यवस्था को लगातार वृद्धि के लिए एक रास्ता दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की निगरानी में भारतीय अर्थव्यवस्था के चार स्तंभों – बुनियादी ढांचे में निवेश, विनिर्माण पर जोर, समावेशी विकास और सरलीकरण पर

बहुत अधिक काम हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी वैश्विक नेता इस बात पर सहमत हैं कि भारत कम से कम 10 वर्षों तक 6–8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि हासिल करेगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने इसके लिए मजबूत नींव रखी है। रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने कहा कि वह अबतक यहां 40 से अधिक शीर्ष नेताओं से मिल चुके हैं और उन सभी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियां सही हैं और इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे ने स्विस रेलवे की कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं और प्रक्रियाओं से सीखने के लिए उसके साथ एक एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की योजना बनाई है। मंत्री ने कहा कि कुछ पारंपरिक प्रौद्योगिकियां सहित कई अच्छी चीजें हैं, जिन्हें स्विट्जरलैंड से सीखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्विस रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और नीति निर्माताओं के साथ उनकी सकारात्मक बैठक हुई है और उन्होंने उनके नियंत्रण केंद्र का भी दौरा किया।

विवादित ढांचे से 3 दूर बनाया जा रहा राम मंदिर...दूलकिट के जरिए पाकिस्तान ने झूठा प्रोपेगेंडा फैलाना किया शुरू

पाकिस्तान के फेक सोशल मीडिया हैंडल से दावा किया जा रहा है कि राम मंदिर विवादित क्षेत्र से 3 किलोमीटर दूर बनाया जा रहा है। आखिरकार हमने जिस विवाद को खत्म होते देखा है, पाकिस्तान इस नैरेटिव को पेश करने की कोशिश कर रहा है कि राम मंदिर विवादित स्थल से 3 किमी दूर बनाया गया है। ऐतिहासिक शहर अयोध्या 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए तैयार हो रहा है, गलत सूचना फैलाने और भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए एक गुप्त सोशल मीडिया अभियान सामने आया है। इस अभियान में पुराने और नए बनाए गए दोनों ट्विटर हैंडल शामिल हैं जो सक्रिय रूप से राम मंदिर की आलोचना करने वाली सामग्री साझा कर रहे हैं

और झूठे दावे फैला रहे हैं। पाकिस्तान कथित तौर पर राम मंदिर की आलोचना करने वाली सामग्री को सक्रिय रूप से साझा करने और झूठे दावों को प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया हैंडल का उपयोग कर रहा है। पाकिस्तान के फेक सोशल मीडिया हैंडल से दावा किया जा रहा है कि राम मंदिर विवादित क्षेत्र से 3 किलोमीटर दूर बनाया जा रहा है। आखिरकार हमने जिस विवाद को खत्म होते देखा है, पाकिस्तान इस नैरेटिव को पेश करने की कोशिश कर रहा है कि राम मंदिर विवादित स्थल से 3 किमी दूर बनाया गया है। पाकिस्तान का एक टूलकिट सामने आया है, जिसमें इस तरह के बातें फैलाए जाने के बारे में कहा गया है।पाकिस्तान कई अलग–अलग हैशटैग चलाकर बाबरी मस्जिद के प्रति समर्थन जता रहा है। पाकिस्तान समर्थित कई सोशल मीडिया हैंडल्स से लगातार राम मंदिर के खिलाफ पोस्ट की जा रही है। बता दें कि राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अनुष्ठान किए जा रहे हैं। इससे पहले बुधवार को कलश पूजन का आयोजन किया गया। राम मंदिर ट्रस्ट के अधिकारियों के अनुसार अनुष्ठान 21 जनवरी तक जारी रहेंगे और प्राण प्रतिष्ठा के दिन रामलला की मूर्ति की 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए आवश्यक हर अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। रामलला की मूर्ति को बुधवार रात यहां राम मंदिर के गर्भगृह में लाया गया। श्री राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने यह जानकारी दी। मूर्ति को अंदर लाने से पहले गर्भगृह में एक विशेष पूजा आयोजित की गई।

खाने को नहीं दाने, चले बम चलाने! एयरस्ट्राइक से जगहंसाई के बाद पाकिस्तान ने ईरान पर मिसाइल गिरा दिया

पूर्वी ईरान के सरवन में हवाई हमला हुआ है। बलूच अलगाववादियों पर आज सुबह करीब चार बजे इन हमलों को अंजाम दिया गया। हमले के बाद पूरे इलाके में धुंआ ही धुंआ नजर आया। ईरान की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ जो कार्रवाई की गई इसके बाद इस्लामाबाद आग बबूला हो गया। जिसके बाद पाकिस्तान की वायुसेना ने ईरान पर पलटवार किया। आर्थिक तंगी झेल रहे पाकिस्तान में चुनाव को लेकर सरगर्मियां इन दिनों तेज हैं। दाने–दाने को मोहताज मुल्क की मुसीबत भी ईरान के हमले के बाद बढ़ गई और पूरी दुनिया में उसकी जगहंसाई भी होने लगी। पाकिस्तान और ईरान के बीच हालात लगातार काफी तनावपूर्ण हो रहे हैं। पाकिस्तानी वायुसेना का ईरान पर बड़ा पलटवार देखने को मिला है। पूर्वी ईरान के सरवन में हवाई हमला हुआ है। बलूच अलगाववादियों पर आज सुबह करीब चार बजे

इन हमलों को अंजाम दिया गया। हमले के बाद पूरे इलाके में धुंआ ही धुंआ नजर आया। ईरान की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ जो कार्रवाई की गई इसके बाद इस्लामाबाद आग बबूला हो गया। जिसके बाद पाकिस्तान की वायुसेना ने ईरान पर पलटवार किया। 24 घंटे पहले तक पाकिस्तान इस बात को लेकर दावे कर रहा था कि ईरान के साथ उसके बहुत अच्छे संबंध हैं। लेकिन जब ईरान ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की तो जिस तरह से रिएक्शन आया वो स्वाभाविक भी था। ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान अपनी तरफ से कुछ करेगा और पाकिस्तान ने ऐसा किया भी। उसकी एयरफोर्स ने ईरानी सीमा के 20 किलोमीटर के अंदर कुछ ऐसे ठिकानों पर हमला करने का दावा किया है जो बलूच गुटों से संबंधित हैं। पाकिस्तान की तरफ से कहा जा रहा है कि ईरान में जो आतंकी ठिकाने हैं हम उस पर कार्रवाई कर रहे हैं। हालांकि इसके बाद भी पाकिस्तान आर्मी की तरफ से ये कहा गया है कि हम आगे भी अपनी कार्रवाई करेंगे। यानी अगर ईरान पलटवार करता है और पाक के हमलों का जवाब देता है तो फिर उसकी आर्मी भी रिएक्ट करेगी। ईरान ने पाकिस्तान के दक्षिण–पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में जैश अल–अदल समूह के मुख्यालय पर हमले को हमारे देश की सुरक्षा के खिलाफ आक्रामकता के जवाब में ईरान द्वारा उठाया गया एक और निर्णायक कदम कहा। तेहरान के विदेश मंत्री ने ईरानी ऑपरेशन को स्वीकार किया और दावा किया कि हमले जैश अल–अदल के उद्देश्य से थे, एक
समूह जिसे ईरान पाकिस्तान के भीतर सक्रिय एक आतंकवादी संगठन मानता है। जैश उल–अदल,
या न्याय की सेना, ईरान द्वारा काली सूची में डाला गया एक आतंकवादी समूह है और बड़े पैमाने पर पाकिस्तान में सीमा पार संचालित होता है। 2012 में स्थापित इस समूह ने हाल के वर्षों में ईरानी धरती पर कई हमले किए हैं।

हमले के बाद सफाई देने लगा पाकिस्तान, ईरान को बताया भाई, विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान

ईरान के सिस्तान–बलूचिस्तान प्रांत के उप प्रांतीय गवर्नर अलीरेजा मरहमती ने हताहतों की संख्या की पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने एक ईरानी सीमावर्ती गांव पर मिसाइलों से हमला किया। इस घटना में तीन महिलाएं और चार बच्चे मारे गए।पाकिस्तान ने गुरुवार को सिस्तान–बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा करते हुए ईरान पर मिसाइल हमले किए। यह मंगलवार देर रात पाकिस्तान पर ईरान के हमलों की प्रतिक्रिया के रूप में आया है। ईरानी राज्य टीवी की रिपोर्ट है कि जवाबी हमलों में तीन महिलाओं और चार बच्चों सहित कम से कम सात लोगों की जान चली गई। ईरान के सिस्तान–बलूचिस्तान प्रांत के उप प्रांतीय गवर्नर अलीरेजा मरहमती ने हताहतों की संख्या की पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने एक ईरानी सीमावर्ती गांव पर मिसाइलों से हमला किया। इस घटना में तीन महिलाएं और चार बच्चे मारे गए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अत्यधिक समन्वित और विशेष रूप से लक्षित सटीक सैन्य हमलों की श्रृंखला में कई आतंकवादी मारे गए। आज सुबह, पाकिस्तान ने ईरानके सीस्तान–ओ–बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ अत्यधिक समन्वित और विशेष रूप से लक्षित सटीक सैन्य हमलों की एक श्रृंखला शुरू की। इंटेलिजेंस–आधारित ऑपरेशन जिसका कोडनेम शमार्ग बार सरमाचरश था। पिछले कई वर्षों में ईरान के साथ हमारी बातचीत में, पाकिस्तान ने लगातार ईरान के अंदर अनियंत्रित स्थानों पर खुद को सरमाचर्स कहने वाले पाकिस्तानी मूल के आतंकवादियों द्वारा प्राप्त सुरक्षित पनाहगाहों और अभयारण्यों के बारे में अपनी गंभीर चिंताओं को साझा किया है।

पाकिस्तान ने इन आतंकवादियों की मौजूदगी और गतिविधियों के ठोस सबूतों के साथ कई डोजियर भी साझा किए। हालाँकि, हमारी गंभीर चिंताओं पर कार्रवाई की कमी के कारण, ये तथाकथित सरमाचर बेखौफ होकर निर्दोष पाकिस्तानियों का खून बहाते रहे। ईरान को अपना भाई बताते हुए पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पाकिस्तान के लोग ईरान और ईरानी लोगों के प्रति बहुत सम्मान और स्नेह का भाव रखते हैं। आज सुबह की कार्रवाई इन तथाकथित सरमाचरों द्वारा आसन्न बड़े पैमाने पर आतंकवादी गतिविधियों की विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आलोक में की गई थी। यह कार्रवाई सभी खतरों के खिलाफ अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने के पाकिस्तान के दृढ़ संकल्प की अभिव्यक्ति है। इस अत्यधिक जटिल ऑपरेशन का सफल क्रियान्वयन पाकिस्तान सशस्त्र बलों की व्यावसायिकता का भी प्रमाण है। पाकिस्तान अपने लोगों की सुरक्षा और संरक्षा को बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाना जारी रखेगा जो पवित्र, अनुल्लंघनीय और पवित्र है।

तेहरान ने पाक राजदूत को किया तलब, विदेश मंत्री नासिर कनानी ने हमले को लेकर कही ये बात

ईरानी विदेश मंत्री नासिर कनानी ने बाद में हमले की निंदा की और पुष्टि की कि तेहरान के विरोध को इस्लामाबाद तक पहुंचाने और हमले के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए मंत्रालय द्वारा पाकिस्तानी राजनयिक को बुलाया गया था। ईरान ने गुरुवार को जवाबी मिसाइल हमले के बाद पाकिस्तान के प्रभारी डीएफेयर को तलब किया, जिसमें सीमा क्षेत्र पर हमला किया गया और कम से कम सात लोग मारे गए। स्थानीय मीडिया ने कहा कि सिस्तान बलूचिस्तान प्रांत के एक सीमावर्ती गांव पर पाकिस्तान द्वारा सुबह–सुबह किए गए हमले के बाद, एक घंटे पहले तेहरान में पाकिस्तानी प्रभारी को स्पष्टीकरण के लिए विदेश मंत्रालय में बुलाया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेहरान में देश के राजदूत की अनुपस्थिति में पाकिस्तानी राजनयिक को सरवन शहर के आसपास के विभिन्न इलाकों में हुए कई विस्फोटों के संबंध में स्पष्टीकरण के लिए बुलाया गया था। ईरानी विदेश मंत्री नासिर कनानी ने बाद में हमले की निंदा की और पुष्टि की कि तेहरान के विरोध को इस्लामाबाद तक पहुंचाने और हमले के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए मंत्रालय द्वारा पाकिस्तानी राजनयिक को बुलाया गया था। तेहरान द्वारा एक दिन पहले इसी तरह के हमले शुरू करने के बाद तनाव बढ़ने के बाद पाकिस्तानी सेना ने ईरान में श्आतंकवादी ठिकानोंश के खिलाफ लक्षित हमले किए। पाकिस्तान के हमले की पुष्टि देश के विदेश मंत्रालय ने की, जिसने एक बयान में कहा, ष्परमाणु–सशस्त्र राष्ट्र ने ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादी ठिकानोंष के खिलाफ सुबह हमले किए।

आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई को समझते हैं...पाकिस्तान पर ईरान के एयरस्ट्राइक को लेकर भारत का आया बयान

मीडिया ब्रीफिंग में रणधीर जयसवाल ने पाकिस्तान में हाल के ईरानी हवाई हमलों के संबंध में सवालों का जवाब देते हुए कहा कि यह ईरान और पाकिस्तान के बीच का मामला है। जहां तक भारत का सवाल है, हमारे पास इसके प्रति शून्य सहिष्णुता की एक समझौताहीन स्थिति है। हम उन कार्रवाइयों को समझते हैं जो देश आत्मरक्षा में करते हैं।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बुधवार को ईरान और पाकिस्तान के बीच चल रहे मतभेद से दूरी बनाते हुए आतंकवाद पर केंद्र के शून्य–सहिष्णुता रुख और आत्मरक्षा में देश के कार्यों को स्वीकार करने पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय के अधिकारी का बयान प्रासंगिक है क्योंकि ईरान ने मंगलवार को पाकिस्तान पर मिसाइलें दागीं और दावा किया कि पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में आतंकवादी समूह जैश उल–अदल ने उसके क्षेत्र पर हमला किया है। आज पहले एक मीडिया ब्रीफिंग में रणधीर जयसवाल ने पाकिस्तान में हाल के ईरानी हवाई हमलों के संबंध में सवालों का जवाब देते हुए कहा कि यह ईरान और पाकिस्तान के बीच का मामला है। जहां तक भारत का सवाल है, हमारे पास इसके प्रति शून्य सहिष्णुता की एक समझौताहीन स्थिति है। हम उन कार्रवाइयों को समझते हैं जो देश आत्मरक्षा में करते हैं। विदेश मंत्रालय के अधिकारी का बयान ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के एक सदस्य की पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा से लगे देश के अशांत दक्षिण–पूर्वी प्रांत में गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ घंटों बाद आया है। यह हमला मंगलवार को बलूचिस्तान में आतंकवादी समूह जैश उल–अदल के दो ठिकानों पर ईरानी हमलों के बाद हुआ। अब हटाई गई रिपोर्टों में सरकारी ईरानी मीडिया ने कहा कि ष्सटीक मिसाइल और ड्रोन हमलेष

सुन्नी आतंकवादी समूह जैश अल–अदल (ईरान में जैश अल–धुलम के रूप में जाना जाता है) के दो गढ़ों को निशाना बनाकर किए गए थे। ईरान ने दावा किया कि उसके मिसाइल हमलों का लक्ष्य उसके क्षेत्र पर हमलों में शामिल आतंकवादी समूहों को निशाना बनाना था, लेकिन पाकिस्तान ने उस स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया है और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान ने हमले की पुष्टि करते हुए दावा किया कि हमले में दो बच्चे मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इसे ईरान द्वारा अपने हवाई क्षेत्र का अकारण उल्लंघन बताया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, जैश उल–अदल ने पहले पाकिस्तान के साथ सीमा क्षेत्र में ईरानी सुरक्षा बलों पर हमले किए थे। एक दिन पहले पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध आतंकवादी ठिकानों पर तेहरान के हवाई हमले के जवाब में पाकिस्तान ने भी बुधवार को ईरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया और सभी उच्च–स्तरीय यात्राओं को निलंबित कर दिया।

भारतीय मूल के मंत्री ने अदालत में भ्रष्टाचार के आरोपों से किया इनकार

ईश्वरन मई 2021 से परिवहन मंत्री हैं। वह 1997 में पहली बार संसद सदस्य के रूप में चुने गए थे और उनका राजनीतिक करियर 26 साल से अधिक का है। परिवहन मंत्री को पिछले साल 11 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। सिंगापुर में भारतीय मूल के परिवहन मंत्री एस. ईश्वरन ने उन पर लगाए गए आरोपों को मानने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। उन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत भ्रष्टाचार के दो आरोपों समेत 27 आरोप हैं। समाचार चौनल 'न्यूज एशिया' की खबर के मुताबिक, परिवहन के अलावा व्यापार संबंधों के प्रभारी मंत्री ईश्वरन (61) बृहस्पतिवार सुबह करीब आठ बजे अदालत पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संवाददाताओं के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। ईश्वरन मई 2021 से परिवहन मंत्री हैं। वह 1997 में पहली बार संसद सदस्य के रूप में चुने गए थे और उनका राजनीतिक करियर 26 साल से अधिक का है। परिवहन मंत्री को पिछले साल 11 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। खबर के अनुसार, उनकी गिरफ्तारी के संबंध में 14 जुलाई को सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गई थी लेकिन जांच की प्रकृति के बारे में विवरण नहीं दिया गया था।

अंडर 19 विश्व कप के रनवे से भविष्य की ऊंची उड़ान भरने को आतुर भारत की युवा ब्रिगेड

अंडर 19 विश्व कप शुक्रवार से जब यहां शुरू होगा तो कइयों के मुस्तकबिल बनेंगे और कई ख्वाब हकीकत का रूप लेंगे जबकि विरोधी टीमों का जोर पांच बार के चौम्पियन भारत का दबदबा तोड़ने पर होगा। यह सर्वविदित है कि अंडर 19 विश्व कप ने ही क्रिकेट जगत को कई भावी सितारे दिये हैं। क्रिकेट को भविष्य के सितारे देने वाला अंडर 19 विश्व कप शुक्रवार से जब यहां शुरू होगा तो कइयों के मुस्तकबिल बनेंगे और कई ख्वाब हकीकत का रूप लेंगे जबकि विरोधी टीमों का जोर पांच बार के चौम्पियन भारत का दबदबा तोड़ने पर होगा। यह सर्वविदित है कि अंडर 19 विश्व कप ने ही क्रिकेट जगत को कई भावी सितारे दिये हैं। युवराज सिंह 2000 में, रोहित शर्मा 2006 में, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा 2008 में , ऋषभ पंत और ईशान किशन 2016 में और शुभमन गिल 2018 में इसी टूर्नामेंट से चमके। लेकिन कई ऐसे भी हैं जो जूनियर स्तर की सफलता को सीनियर स्तर पर दोहरा नहीं सके जिनमें उन्मुक्त चंद, रविकांत शुक्ला, मनीष पांडे, यश धुल और कमलेश नागरकोटी शामिल हैं। सभी की नजरें भारतीय टीम पर लगी होंगी जिसके कप्तान पंजाब के उदय सहारन हैं। भारत को शनिवार को पहले मैच में बांग्लादेश से खेलना है। ग्रुप ए में भारत और बांग्लादेश के अलावा अमेरिका और आयरलैंड भी है। यह टूर्नामेंट 11 फरवरी तक चलेगा जब बेनोनी में फाइनल खेला जायेगा। सोलह टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है और हर ग्रुप से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स में पहुंचेंगी जिसमें 12 टीमों को दो पूल में बांटा जायेगा। इनसे शीर्ष दो दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी जो बेनोनी में ही छह और आठ फरवरी को होगा। भारतीय टीम राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में कई शिविरों के बाद यहां आई है और इसने दो ही टूर्नामेंट (एशिया कप और दक्षिण अफ्रीका में त्रिकोणीय श्रृंखला) खेले हैं। एशिया कप में भारत सेमीफाइनल में हार गया जिसमें बांग्लादेश ने उसे चार विकेट से मात दी। उसके बाद हालांकि दक्षिण अफ्रीका में

त्रिकोणीय श्रृंखला भारत ने अपराजेय रहकर जीती जिसमें अफगानिस्तान तीसरी टीम थी। फाइनल बारिश की भेंट होने से भारत और दक्षिण अफ्रीका संयुक्त विजेता रहे। भारत के बाद आस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा तीन और पाकिस्तान ने दो बार अंडर 19 विश्व कप जीता है।बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड एक एक बार विजयी रहे। भारतीय टीम में अर्शिन कुलकर्णी भी हैं जो आईपीएल में अनुबंध पाने वाले इस टीम के दो खिलाड़ियों में से हैं। महाराष्ट्र प्रीमियर लीग की खोज अर्शिन ने टूर्नामेंट में नौ छक्के लगाये थे। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स ने अरावेली अश्विन के साथ करार किया है जिसने नवंबर में चार देशों की श्रृंखला में 93 गेंद में 163 रन बनाये थे। पिछले साल कूच बेहार ट्रॉफी में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे मुशीर खान और कप्तान उदय सहारन पर भी नजरे होंगी। गेंदबाज राज लिम्बानी ने हाल ही में नेपाल के खिलाफ सात विकेट लिये थे जबकि उपकप्तान स्वामी पांडे ने अफगानिस्तान के खिलाफ छह विकेट चटकाये थे। अन्य टीमों में न्यूजीलैंड के रहमान हिकमत, पाकिस्तान के तेज गेंदबाज उबेद शाह, अफगानिस्तान के आफ स्पिनर अल्लाह मुहम्मद गजांफर और इंग्लैंड के लुक बेंकेंस्टेन पर नजरें रहेंगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ बेहतरीन जीत के बाद राहुल द्रविड़ का बयान, कहा– टी20 वर्ल्ड कप कोई भी खेल सकता है

राहुल द्रविड़ ने अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में 3 . 0 से मिली 'क्लीन स्वीप' पर प्रसन्नता जताई है चूंकि कई युवा खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से टीम को जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये कई विकल्प मिल गए हैं। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद 11 टी20 खेले हैं। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में 3 . 0 से मिली 'क्लीन स्वीप' पर प्रसन्नता जताई है चूंकि कई युवा खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से टीम को जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये कई विकल्प मिल गए हैं। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद 11 टी20 खेले हैं। कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिये जाने के कारण टीम प्रबंधन को जितेश शर्मा और शिवम दुबे जैसे युवा खिलाड़ियों को आजमाने का मौका मिला। लेकिन यह अच्छा है कि विश्व कप से पहले हमारे पास विकल्प है।'' उन्होंने कहा ,'' हमे कुछ पहलुओं पर काम करना होगा और इस पर विचार कर रहे हैं।'' जून में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले यह इस प्रारूप में भारत का आखिरी मैच था। द्रविड़ ने कहा ,'' एक टीम के रूप में अब हमें उतने मैच नहीं खेलने हैं। आईपीएल है और इन खिलाड़ियों पर सभी की नजरें होंगी।'' दुबे ने अफगानिस्तान के खिलाफ 124 रन बनाये और दो विकेट लिये। द्रविड़ ने कहा ,''वह लंबे समय

बाद लौटा हैऔर पहले से काफी बेहतर खिलाड़ी बनकर आया है। उसमें प्रतिभा हमेशा से थी और उसके प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं। इससे उसका आत्मविश्वास बढा होगा कि आप वापसी करने के साथ प्लेयर आफ द सीरिज भी बने हैं।'' विकेटकीपिंग में भारत के पास जितेश, संजू सैमसन, ईशान किशन, केएल राहुल और ऋषभ पंत के विकल्प हैं और कोच ने किसी के भी खेलने की संभावना से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा ,'' हमारे पास कई विकल्प हैं। संजू, किशन और ऋषभ सभी हैं। देखना होगा कि अगले कुछ महीने में क्या स्थितियां रहती हैं और उसी के अनुसार फैसला लिया जायेगा।

जानें कौन है समर जोप्स जिसने उड़ाई दुनियाभर के बल्लेबाजों की नींद

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट खेला जा रहा है। जहां वेस्टइंडीज की तरफ से तेज गेंदबाज शमर जोसेफ ने अपने डेब्यू मुकाबले में 5 विकेट झटके हैं। विशेष रूप से जोसेफ अपने डेब्यू टेस्ट में ये कारनामा करने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।एडिलेड में वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट खेला जा रहा है। जहां वेस्टइंडीज की तरफ से तेज गेंदबाज शमर जोसेफ ने अपने डेब्यू मुकाबले में 5 विकेट झटके हैं। विशेष रूप से जोसेफ अपने

डेब्यू टेस्ट में ये कारनामा करने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वहीं इससे पहले उन्होंने बल्लेबाजी में भी 36 रन की अहम पारी खेली थी। दरअसल, जोसेफ ने अपने डेब्यू टेस्ट से पहले प्रथम श्रेणी करियर में 5 मुकाबले खेले थे। जिसमें बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 21 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 41 रन पर 5 विकेट था। वह 2 पारियों में 5 विकेट हॉल भी अपने नाम कर चुके हैं। बता दें कि, उन्होंने फरवरी 2023 में गुयाना की ओर से अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की थी। जोसेफ गुयाना के एक छोटे से गांव बाराकारा के रहने वाले हैं। उन्होंने अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए लगभग 18 महीने पहले अपनी नौकरी छोड़ दी थी। अपने एक पड़ोसी की मदद से वे गेंदबाजी कैंप गए, जहां उन पर महान खिलाड़ी कर्टली एम्ब्रोस की नजर पड़ी। इसके बाद से वो अपने करियर में आगे बढ़ते गए।

सांसें रोकने वाले मुकाबले में इण्डिया को मिली जीत,आफगानिस्तान को किया क्लीन स्वीप,

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एक समय पर चार विकेट 22 रन पर गंवा दिये थे। इसके बाद रोहित और रिंकू ने शुरूआत में संभलकर खेलते हुए पारी को संभाला और फिर हाथ खोलने शुरू किये। रोहित ने अफगानिस्तान के स्पिनरों को रिवर्स स्वीप भी लगाई। भारत और अफगानिस्तान के बीच बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में तीसरा टी 20 मुकाबला खेला गया जो बेहद रोमांचक रहा। इस तीसरे टी 20 मुकाबले का नतीजा एक नहीं बल्कि दो सुपर ओवर खेलने के बाद निकाला गया। मुकाबले में दोनों टीमों ने 212 रन बनाकर मैच टाई किया। इसके बाद पहला सुपर ओवर खेला गया जिसमें दोनों टीम में 16 रन बनाने में सफल रही। इसके बाद दूसरा सुपर ओवर भी डाला गया जिसमें भारत ने 10 रनों से जीत हासिल की। भारत के लिए दूसरा सुपर ओवर रवि बिश्नोई ने फेंका था।बता दें कि दूसरे सुपर ओवर में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम 11 रन बनाने में सफल रही थी। अफगानिस्तान की टीम 11 रन के लक्ष्य को बनाने के लिए मैदान में उतरी मगर रवि बिश्नोई ने अफगानिस्तान को सिर्फ एक ही रन बनाने का मौका दिया। इसके साथ ही भारत ही मुकाबला और सीरीज जीत गया। पूरा मुकाबला दर्शकों की सांस रोकने वाला था। रोहित का नाबाद शतक

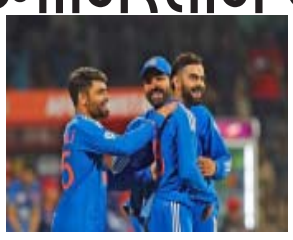

नहीं गया बर्बाद इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा ने नाबाद शतक जड़ा। कप्तान रोहित शर्मा ने संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए नाबाद शतक जमाया और टीम को 212 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। रोहित ने 69 गेंद में 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से नाबाद 121 रन बनाये। रिंकू ने 39 गेंद में 69 रन की नाबाद पारी खेली। रिंकू और रोहित के बीच पांचवे विकेट के लिए शानदार खेल दिखाते हुए 190 रनों की साझेदारी की। भारत ने रोहित के दो छक्कों से एक विकेट गंवाकर 16 रन बना लिये और स्कोर फिर टाई हो गया। वहीं अफगानिस्तान ने रहमनुल्लाह गुरबाज (50), कप्तान इब्राहिम जदरान (50) और गुलबदीन नईब (नाबाद 55 रन) के अर्धशतकों की मदद से छह विकेट खोकर 212 रन बनाये जिससे मैच टाई हो गया। इसके बाद दूसरे सुपर ओवर के रोमांच तक पहुंचे तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अफगानिस्तान को हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 3–0 से सूपड़ा साफ किया। सुपर ओवर में हुआ फैसला इस मैच में पहला सुवर ओवर डाला गया, जिसमें मुकेश कुमार गेंदबाजी करने आये जिसमें अफगानिस्तान ने एक विकेट पर 16 रन बनाये। भारत ने रोहित के दो छक्कों से एक विकेट गंवाकर 16 रन बना लिये और स्कोर फिर टाई हो गया। इससे फिर दूसरा सुपर ओवर खेला गया। इसमें रोहित पांचवीं गेंद पर रिटायर्ड हो गये थे। दूसरे सुपर ओवर में भारतीय टीम ने रोहित के एक छक्के और एक चौके से पांच गेंद में दो विकेट गंवाकर 11 रन बनाये। इसमें रोहित रन आउट हुए और फरीद अहमद ने रिंकू सिंह को आउट किया। रवि बिश्नोई दूसरा सुपर करने उतरे और उनकी तीन गेंद में अफगानिस्तान ने एक रन पर दो विकेट गंवा दिये जिससे भारत मैच जीत गया।भारत ने जीता था टॉस भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एक समय पर चार विकेट 22 रन पर गंवा दिये थे। इसके बाद रोहित और रिंकू ने शुरूआत में संभलकर खेलते हुए पारी को संभाला और फिर हाथ खोलने शुरू किये। रोहित ने अफगानिस्तान के स्पिनरों को रिवर्स स्वीप भी लगाई जो आम तौर पर उनके बल्ले से देखने को नहीं मिलती। लेग स्पिनर कैस अहमद को रिवर्स स्वीप लगाकर ही उन्होंने टी20 क्रिकेट में अक्टूबर 2022 के बाद पहला अर्धशतक पूरा किया। रोहित ने अपना शतक 63 गेंद में पूरा किया जो 2018 में लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ 111 रन के बाद उनका पहला टी20 शतक है। रोहित ने टी20 में अपना सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। इससे पहले उनका सर्वोच्च स्कोर 118 रन था जो श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 2017 में इंदौर में लगाया था। दूसरे छोर से रिंकू ने उनका बखूबी साथ निभाया। उन्होंने सलीम को स्वेयर लेग पर फ्लिक के साथ छक्का जड़ा और टी20 में दूसरा अर्धशतक पूरा किया। पहली गेंद से ही आक्रामक खेलने के इरादे से उतरने वाली भारतीय टीम को इस रणनीति का कभी कभी खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। यशस्वी जायसवाल आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे जिन्हें बायें हाथ के तेज गेंदबाज फरीद अहमद ने पवेलियन भेजा। डीप में मोहम्मद नबी ने उनका कैच लपका। विराट कोहली रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर के घरेलू मैदान पर उतरे तो दर्शकों ने जबर्दस्त तालियों के साथ उनका स्वागत किया। वह हालांकि एक ही गेंद खेल पाये और अहमद ने उन्हें इब्राहिम जदरान के हाथों लपकवाया। विकेटकीपर जितेश शर्मा की जगह आये संजू सैमसन भी खाता नहीं खोल सके। वह अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर नबी को कैच देकर लौटे। फॉर्म में चल रहे शिवम दुबे ने विकेट के पीछे रहमानुल्लाह गुरबाज को कैच थमाया। अहमद ने पहले स्पैल में तीन ओवर में दस रन देकर तीन विकेट लिये। पावरप्ले में भारत ने 30 रन बनाकर

भारत–पाकिस्तान मैच के लिए तैयार हुआ स्टेडियम,आईसीसी ने शेयर की तस्वीर

9 जून को टी20 वर्ल्ड कप 2024 में न्यूयॉर्क में नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम भारत बनाम पाकिस्तान खेल की मेजबानी करेगा। इस मैदान का बुधवार को आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। न्यूयॉर्क का आयोजन स्थल आईसीसी आयोजन के आठ मैचों की मेजबानी करने वाला है। इन्यूयॉर्क में नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, जो 9 जून को टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत बनाम पाकिस्तान खेल की मेजबानी करेगा। इस मैदान का बुधवार को आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। न्यूयॉर्क का आयोजन स्थल आईसीसी आयोजन के आठ मैचों की मेजबानी करने वाला है। नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ भारत के शुरुआती मैच की भी मेजबानी करेगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस इस नए मैदान को लेकर उत्साहित नजर आए। आईसीसी ने एलार्डिस के हवाले से कहा कि ये अब तक के सबसे बड़े आईसीसी आयोजन की अगुवआई में एक अविश्वसनीय रूप से अहम है। स्टेडियम पर काम शुरू हो रहा है जो 34 हजार क्रिकेट फैंस को समायोजित करने में सक्षम होगा। वहीं आईसीसी द्वारा जो तस्वीर शेयर की गई है उस स्टेडियम में दर्शकों की बैठने की क्षमता 34 हजार है और ये आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के आठ मैचों की मेजबानी करेगा। स्टेडियम पर काम चल रहा है साथ ही इसके जल्द से जल्द पूरा होने की उम्मीद है।

आसीसी 20 रैंकिंग में अक्षर पटेल को बड़ा फायदा, यशस्वी जयसवाल और शिवम दुबे को बड़ी बढ़त

रैंकिंग में भारतीय टीम के ऑलराउंडर अक्षर पटेल को फायदा हुआ है। दरअसल, अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही तीन मैचों की सीरीज में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी टी20 रैंकिंग दर्ज की। आईसीसी ने टी20 की ताजा रैंकिंग जारी कर दी है। इस रैंकिंग में भारतीय टीम के ऑलराउंडर अक्षर पटेल को फायदा हुआ है। दरअसल, अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही तीन मैचों की सीरीज में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी टी20 रैंकिंग दर्ज की।

पीसीओएस के वजह से चेहरे पर निकल रहे हैं मुहांसे तो जानें कैसे करें कंट्रोल

पीसीओएस यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम आजकल लड़कियों और महिलाओं में बहुत आम समस्या बन गई है. यह एक ऐसी समस्या है जो हार्मोन्स यानी शरीर के रसायनों के संतुलन बिगडने से होती है.पीसीओएस में महिलाओं के अंडाशयों में छोटे–छोटे फोड़े या गांठें बन जाती हैं, जिनमें पानी भरा होता है. ये गांठें अंडाशयों को बड़ा और भारी बना देती हैं. इन गांठों की वजह से अंडाशय सही तरीके से काम नहीं कर पाते.अंडाशयों का काम महिलाओं में हार्मोन बनाना और ब्लड में रिलीज करना होता है. लेकिन पीसीओएस में ये हार्मोन सही मात्रा में नहीं बनते. इसके कारण पीरियड्स रेगुलर नहीं आते हैं, शरीर पर अतिरिक्त बाल आने लगते हैं, मोटापे की समस्या हो सकती है. पीसीओएस की वजह से कई लड़कियों और महिलाओं को चेहरे, कंधे और पीठ पर मुंहासे निकलने लगते हैं. ये मुंहासे देखने में बहुत बुरे लगते हैं और आत्मविश्वास पर भी बुरा असर डाल सकते हैं.

ग्लूटेन फ्रीपीसीओएस की समस्या वाली महिलाओं को अपने आहार में कुछ बदलाव करने चाहिए, जिससे चेहरे के मुंहासे कम हो सकें. गेहूं से बनी चीजें जैसे – ब्रेड, नूडल्स आदि में ग्लूटेन नामक एक प्रोटीन होता है. इस ग्लूटेन के कारण कई लोगों को पेट संबंधी समस्याएं और मुंहासे ज्यादा होने लगते हैं. इसलिए ऐसे लोगों को ग्लूटेन फ्री डाइट यानि ग्लूटेन वाली चीजों से परहेज करना चाहिए. हार्मोन को नियंत्रण करें

पीसीओएस की समस्या जैसे मुंहासों को कम करने के लिए, हमें अपने शरीर के कुछ हार्मोन जैसे – टेस्टोस्टेरोन और इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखना होगा. कुछ खास तरह के आहार और जड़ी–बूटियां जैसे – ओमेगा 3, अश्वगंधा, विटामिन डी आदि टेस्टोस्टेरोन को कम करने में मदद कर सकते हैं. इसके साथ ही, रोजाना रूप से व्यायाम और संतुलित आहार से इंसुलिन के स्तर को भी अच्छा बनाए रखा जा सकता है. यदि मधुमेह या उच्च रक्तशर्करा की शिकायत है तो उस पर भी नियंत्रण जरूरी

है.खूब सारा पानी पिएं पीसीओएस के कारण होने वाले मुहांसों से छुटकारा पाने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत ही फायदेमंद है. पीसीओएस में शरीर का पीएच स्तर बिगड़ जाता है जिससे त्वचा पर मुहांसे और दाने निकलने लगते हैं. पानी शरीर के पीएच स्तर को संतुलित करने में मदद करता है साथ ही शरीर की गंदगी व विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

इन बीमारियों में नहीं खाना चाहिए अंडा, डैमेज हो सकते हैं शरीर के कई अंग

देश से लेकर विदेश तक कई सारे लोग ब्रेकफास्ट में अंडा खाना पसंद करते हैं. क्योंकि अंडे में प्रोटीन की मात्रा काफी ज्यादा होती है. यह प्रोटीन का सबसे बेस्ट सोर्स माना जाता है. अंडे न सिर्फ ब्रेकफास्ट में बल्कि लंच और डिनर किसी वक्त भी खाया जा सकता है. अंडे की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे बनने वाली रेसिपी बहुत आराम और फटाफट बन जाती है. वहीं कुछ रिसर्च में यह भी साबित हो चुका है कि कुछ ऐसी बीमारियां है जिसके मरीज को अंडा भूल से भी नहीं खाना चाहिए.

इन बीमारी वाले लोगों को नहीं खाना चाहिए अंडा

दिल की बीमारी

दिल की बीमारी वाले मरीज को भूल से भी अंडा नहीं खाना चाहिए. अंडा खाने से बीमारी बढ़ सकती है. इससे ब्लड सर्कुलेशन में दिक्कत आ सकती है. यह बेहद खतरनाक हो सकता है.

दस्त में

अंडे की तासीर गर्म होती है. अगर किसी व्यक्ति का पेट खराब है तो उसे अंडा नहीं खाना चाहिए इससे दिक्कत बढ़ सकती है.

कब्ज में

कब्ज की बीमारी में अंडा नहीं खाना चाहिए क्योंकि इससे पाचन से जुड़ी दिक्कत और परेशानी बढ़ सकती है.

कोलेस्ट्रॉल

जिन लोगों को कोलेस्ट्रॉल की शिकायत है उन्हें तो एकदम अंडा नहीं खाना चाहिए. क्यों इसे खाने से और भी ज्यादा बढ़ सकता है.

डायबिटीज

डायबिटीज के मरीज को अंडा खाने से बचना चाहिए. अगर अंडे खाना पसंद है तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें.

वहीं कैंसर जैसी बीमारी से बचना है तो हर रोज अंडे खाना चाहिए.

हार्वड यूनिवर्सिटी की 2003 की रिसर्च के मुताबिक, अंडे खाने से व्यस्क महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा टल जाता है. 2005 की एक अन्य स्टडी के मुताबिक, जो महिलाएं एक सप्ताह में 6 अंडे तक खाती हैं उनमें 44 फीसदी ब्रेस्ट कैंसर का खतरा घट जाता है. अंडे को आप किसी भी रूप में खा सकते हैं जरूरी नहीं की उबले हुए अंडे ही खाएं जाएं. यदि आप हेल्दी रहना चाहते हैं तो अंडे खाइए. अंडे में सबसे पोषक पदार्थ अंडे की जर्दी होती है जिसमें 90 फीसदी तक कैल्शियम और आयरन होता है.

कियारा आडवाणी की खूबसूरत दिखने के लिए ऐसे करें मेकअप, मिलेगा ग्लैमरस लुक

आज के समय में कई लड़कियां कियारा आडवाणी की तरह मेकअप करना चाहती है। तो आज हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे है इन टिप्स को फॉलो कर एक्ट्रेस की तरह अपनी खूबसूरती को फ्लॉन्ट कर सकती हैं। आज के समय में हर कोई खूबसूरत दिखना चाहता है। अगर बीते साल 2023 की बात करें तो इस दौरान बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी का नाम सबसे ज्यादा गूगल पर सर्च किया गया। हर व्यक्ति कियारा के बारे में जानकारी हासिल करना चाहता है।

अदा शर्मा की बस्तर द नक्सल स्टोरी को मिली नई रिलीज तारीख, नए पोस्टर भी जारी

द केरल स्टोरी की अभिनेत्री अदा शर्मा आगामी फिल्म बस्तर रू द नक्सल स्टोरी के लिए निर्देशक सुदीप्तो सेन और निर्देशक–निर्माता विपुल अमृतलाल शाह के साथ फिर काम करने को तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के तीन पोस्टर जारी किए हैं, जो एक गंभीर तस्वीर पेश करते हैं।पहले पोस्टर में अदा आईजी नीरजा माधवन का किरदार निभा रही हैं। इस पोस्टर में उन्हें युद्ध के मैदान में दिखाया गया है, जहां वह बंदूक लहराती हैं। दूसरे पोस्टर में कुछ लोगों को सड़क पर लटका दिया गया है और तीसरे में विरोधी कैमरे की ओर घूर रहा है और उसके पीछे आग भड़क रही है।फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक सुदीप्तो सेन ने कहा रू द केरल स्टोरी के अभूतपूर्व प्यार और आशीर्वाद के बाद हमने स्वतंत्र भारत के एक और घातक रहस्य को सामने लाने का साहस जुटाया। यह हमारे देश के केंद्र में स्थित बस्तर से है। अपमानजनक, जघन्य और घृणित सत्य जो आपको आपके अस्तित्व के मूल में झकझोर कर रख देगा। हमारा दृढ़ विश्वास है कि हमें आपका पहले जैसा ही आशीर्वाद और समर्थन मिलेगा।विपुल अमृतलाल शाह ने कहा कि बस्तर रू द नक्सल स्टोरी के साथ असहज सच्चाइयों को उजागर करने का सफर जारी है।उन्होंने कहा, द केरल स्टोरीय के बाद हम एक और विस्फोटक कहानी को उजागर करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। इस साहसिक और ईमानदार फिल्म को पेश करना सम्मान की बात है, जो हर किसी को अंदर तक झकझोर देगी। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित और आशिन ए. शाह द्वारा सह–निर्मित, बस्तर रू द नक्सल स्टोरी सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बनाई गई है। यह फिल्म 15 मार्च को रिलीज होगी।

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई महेश बाबू की गुंटूर कारम!

मकर संक्रांति और पोंगल के सुअवसर पर सिनेमाई बॉक्स ऑफिस पर दक्षिण भारत की फिल्मों का जलवा देखने को मिला। इनमें से कुछ के हिन्दी वर्जन ने सिनेमाघरों में दस्तक दी। विशेष बात यह रही है कि इन सभी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन सफलता प्राप्त हुई है। वहीं इन फिल्मों के साथ हिन्दी में बनी श्रीराम राघवन की मैरी क्रिसमस को असफलता हाथ लगी है।महेश बाबू की लेटेस्ट बॉक्स ऑफिस रिलीज श्गुंटूर कारमश्य 12 जनवरी को रिलीज होने के बाद से सिनेमाघरों में ध माल मचा रही है। फिल्म को ऑडियंस से काफी शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है और टिकट खिड़की पर कैटरीना–विजय की मैरी क्रिसमस और धनुष की कैप्टन मिलर से लेकर शिवकार्तिकेय की आयलान और तेजा सज्जा की हनु मैन तक से क्लैश होने के बावजूद श्गुंटूर कारमश्य छप्परफाड़ कमाई कर रही है। त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित गुंटूर करम ने बॉक्स ऑफिस पर 41.3 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शानदार ओपनिंग की थी। इसके बाद से इस फिल्म ने देश और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया है। ये फिल्म कमाई के मामले में तमाम लेटेस्ट रिलीज फिल्म से काफी तेज दौड़ रही है और हर दिन करोड़ों में कलेक्शन कर रही है।श्गुंटूर कारमश्य की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 41.3 करोड़ कमाए, दूसरे दिन 13.55 करोड़ का कलेक्शन किया, तीसरे दिन 14.05 करोड़ और चौथे दिन 14.1 करोड़ की कमाई की। वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 5वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।रिपोर्ट के मुताबिक गुंटूर कारमश्य ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 11.50 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ इस फिल्म की पांच दिनों की कमाई 94.50 करोड़ रुपये हो गई है। श्गुंटूर कारमश्य बॉक्स ऑफिस पर जिस अंदाज में कमाई कर रही है उसे देखते हुए यह तय है कि यह फिल्म बुध वार को बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ के आंकड़े को पार करने में सफल हो जाएगी।इस फिल्म ने कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की फिल्म मैरी क्रिसमस (पांच दिनो का कलेक्शन–12.53 करोड़) तेजा सज्जा की हनु मैन (पांच दिनो का कलेक्शन–68.60 करोड़), धनुष की फिल्म कैप्टन मिलर (पांच दिनो का कलेक्शन–35.07) को पीछे छोड़ दिया है और साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इनके अलावा गुंटूर कारमश्य ने बॉक्स ऑफिस पर अयालान और नागा सामी रांगा को भी धो दिया है।गुंटूर

कारमश्य की स्टार कास्ट की बात करें तो इस फिल्म में महेश बाबू के अलावा राम्या कृष्णा, ब्रह्मानंदम, सुनील, जयराम, मीनाक्षी चौधरी, श्रीलीला और जगपति बाबू ने अहम रोल प्ले किया है। ये फिल्म 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

वैश्विक स्तर पर 100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई तेजा सज्जा की हनु मैन

मूल रूप से तेलुगु भाषा में बनी अभिनेता तेजा सज्जा की माइथोलॉजिकल फिल्म हनु मैन बॉक्स ऑफिस पर प्रतिदिन बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। सोमवार तक इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 55 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली थी। वहीं मंगलवार को इस फिल्म ने अपने कारोबार से महेश बाबू की गुंटूर कारम को पीछे छोडने में सफलता प्राप्त कर ली है।तेजा सज्जा की हनु मैन वर्ल्डवाइड 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है और अब इसके घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी इस क्लब में शामिल होने में ज्यादा देर नहीं लगने वाली है। तेजा सज्जा ने खुद पोस्ट शेयर करके फिल्म के 100 करोड़ के क्लब में एंट्री की जानकारी दी है। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा– मेरा जर्सी मूमेंट. किस्मत से इसमें मेरा पोज भी बिल्कुल वैसा ही है।हनु मैन के पांचवें दिन के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने 12. 75 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म ने पहले दिन 8.05 करोड़, दूसरे दिन 12.45 करोड़, तीसरे दिन 16 करोड़ और चौथे दिन 15.2 करोड़ का बिजनेस किया था। जिसके बाद टोटल कलेक्शन 68.60 करोड़ हो गया है। जिस तरह से फिल्म बिजनेस कर रही है ज्यादा समय नहीं लगेगा इसे 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने में। वीकेंड तक आराम से फिल्म 100 करोड़ के क्लब में एंट्री कर जाएगी। हनु मैन ने पांचवें दिन के कलेक्शन में भी महेश बाबू की गुंटूर कारम को पीछे छोड़ दिया है। जहां हनु मैन ने 12.75 करोड़ का कलेक्शन किया है वहीं गुंटूर कारम ने 11. 50 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। ये फिल्म इंडिया में 100 करोड़ के क्लब के बहुत करीब पहुंच गई है।

मैरी क्रिसमस निर्माताओं ने रिलीज किया फिल्म का नया ट्रेलर, सस्पेंस और थ्रिलर से है भरपूर

श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी फिल्म मेरी क्रिसमस बीते शुक्रवार (12 जनवरी) सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।इसमें कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की जोड़ी बनी है, जिसे पहली बार देखा जा रहा है। इस बेमेल जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।दर्शकों के उत्साह को बरकरार रखने के लिए अब इस बीच निर्माताओं ने मेरी क्रिसमस का नया ट्रेलर जारी कर दिया है, जो सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। टिप्स फिल्म्स ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर मेरी क्रिसमस का नया ट्रेलर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, इस क्रिसमस की कहानी मौज–मस्ती से कोसों दूर है। प्रस्तुत है ट्विस्ट ट्रेलर। मेरी क्रिसमस में राधिका आप्टे और अश्विनी कालसेकर भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह फिल्म अब तक 11.38 करोड़ रुपये से अधिक कमा चुकी है।मेरी क्रिसमस सिनेमाघरों के बाद नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। इस फिल्म का प्रीमियर मार्च के अंत तक किया जाएगा।

तिरगबदरा सामी में मालवी मल्होत्रा ने किया स्टंट और एक्शन

एक्ट्रेस मालवी मल्होत्रा अपनी अपकमिंग फिल्म तिरगबदरा सामी में अपना एक्शन अवतार दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म कई एलिमेंट्स का मिश्रण है, जिसमें खूबसूरत लव स्टोरी, फैमिली इमोशन्स, कॉमेडी और ढेर सारा एक्शन और अपील

शामिल है। एक्ट्रेस स्टंट कर अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगी। फिल्म में एक्टर राज तरूण एक अहिंसक व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं। अपने उत्साह और भावना को साझा करते हुए मालवी ने कहा, मेरे एक्शन डायरेक्टर और पूरी टीम ने सोचा कि इसमें बहुत समय लगेगा इसलिए उन्होंने मेरे एक्शन सीक्वेंस के लिए दो दिन रखे, लेकिन कुछ शॉट्स के बाद वे बहुत खुश हुए और उन्हें पता चला कि मैंने पहले सेल्फ डिफेंस की प्रैक्टिस की और थोड़ा एमएमए और हमने इसे आधे दिन में पूरा कर लिया। यह वास्तव में जल्दी और आसानी से हो गया। यह बहुत मजेदार था, जब मैं ऐसा करते वक्त बहुत ऊर्जावान और उत्साहित महसूस कर रही थी, क्योंकि मैं हमेशा एक्शन सीक्वेंस और शक्तिशाली किरदार करना चाहती थी और मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे अपनी पहली तेलुगु फिल्म में यह मौका मिला। तिरगबदरा सामी प्रतिभाशाली अभिनेता राज तरुण और निर्देशक ए.एस. रविकुमार चौधरी के बीच आगामी सहयोग है और सुरक्षा एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। यह 23 फरवरी को रिलीज होने वाली है।

जब मिला तू की कहानी आधुनिक समय के प्यार और रिश्तों के इर्द–गिर्द घूमती है

मोहसिन खान, ईशा सिंह, प्रतीक सेजपाल और अलीशा चोपड़ा अभिनीत स्लाइस–ऑफ–लाइफ ड्रामा सीरीज जब मिला तू का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह सीरीज आज के समय में प्यार और दोस्ती की एक अनूठी यात्रा की पड़ताल करती ह।ट्रेलर मोहसिन, ईशा, प्रतीक और अलीशा द्वारा निभाए गए चार अद्वितीय व्यक्तियों के जीवन की गहरी झलक पेश करता है।गोवा की सुंदर और जीवंत पृष्ठभूमि पर आधारित जब मिला तू एक मनमौजी सुपरस्टार गायक मैडी और एक भावुक शेफ अनेरी के बारे में है, जो एक अप्रत्याशित स्थिति के कारण एक छत के नीचे आने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इसके बाद भ्रम की एक कहानी शुरू होती है, जो हंसी के क्षणों से भरपूर होती है। अनेरी नकली प्रेम कहानियां बुनने के लिए बड़ी चतुराई से सोशल मीडिया का उपयोग करती है, जबकि मैडी उसे मनगढ़ंत रोमांस में उलझाने लगता है।मैडी की भूमिका निभाने वाले मोहसिन ने कहा, मैडी एक भावुक, जीवन से बड़ा चरित्र है जो मंच के बाहर भावनात्मक उथल–पुथल से भी निपट रहा है। जब मिला तू एक ताजा युवा रोमांस के बारे में है जो मुझे जेन–जेड के साथ जुडने का मौका देता है।मोहसिन ने बताया, मैडी के किरदार में ढलना रोमांचक रहा है। जैसे ही मुझे पता चला कि मैं एक संगीतकार की भूमिका निभा रहा हूं, मेरे दिमाग में पहला नाम महान जिम मॉरिसन का आया। वह एक प्रेरणास्रोत रहे हैं। इस किरदार को निभाने के लिए मैंने लगभग 12 किलोग्राम वजन भी कम किया है।ईशा ने कहा, ऐसे चरित्र को चित्रित करने में हमेशा एक विशेष आकर्षण होता है जो कई मायनों में मेरे जीवन को दिखाता है। शो के दौरान हम सभी को ऐसा महसूस हुआ, जैसे हम चारों ओर सकारात्मक माहौल

के साथ दोस्तों के साथ घूम रहे हैं।जिगर का किरदार निभाने वाले प्रतीक सेजपाल ने कहा, जब मिला तू के साथ मैंने अपने आप में एक बिल्कुल नया पक्ष खोजा। मेरा किरदार दिल्ली के एक लड़के का है जो स्मार्ट है, निडर है और ऐसा व्यक्ति है जो प्रखर हो सकता है और भावनाओं से प्रभावित नहीं होता है।उन्होंने कहा कि यह भूमिका निभाना एक आनंददायक अनुभव रहा है।मिंट का किरदार निभाने वाली अलीशा ने कहा कि वह नडर और स्टाइलिश व्यक्ति हैं, जो पूर्ण पूर्णता में विश्वास करती हैं और हर चीज में अपना रास्ता जानती हैं।उन्होंने कहा, जैसे–जैसे कहानी आगे बढ़ती है, मिंट भावनाओं की एक श्रृंखला से भी गुजरती है, जो अन्य रिश्ते की गतिशीलता को प्रभावित करती है, और मुझे लगता है कि यही वह चीज है जो शो को अलग बनाती है।ललित मोहन द्वारा निर्देशित सीरीज जब मिला तू तमिल, कन्नड़ और बांग्ला में उपलब्ध होगी। यह 22 जनवरी से जियो सिनेमा पर प्रसारित होगी।

रश्मिका मंदाना ने फिटनेस गोल्स किए सेट, कहा– स्ट्रेचिंग करना न भूलें

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपने वर्कआउट की एक तस्वीर साझा की और कहा कि किसी को स्ट्रेचिंग करना नहीं भूलना चाहिए।फोटो शेयरिंग एप्लिकेशन इंस्ट्राग्राम पर रश्मिका के 41.1 मिलियन फॉलोअर्स है। रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर जिम में वर्कआउट करते हुए अपनी एक तस्वीर साझा की। उन्होंने ब्लैक कलर की टी शर्ट और रेड शॉर्ट्स पहने हुए है। फोटो को कैप्शन दिया गयारू स्ट्रेच करना न भूलें!! यह आपके शरीर के लिए अच्छा है! गुड मॉर्निंग सभी को वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्हें अब से पहले एनिमल में देखा गया था, जिसमें रणबीर कपूर रणविजय सिंह और अजीज हक की दोहरी भूमिका में थे।

तुम्हारे साथ बूढ़ा होने का इंतजार कर रहा हूं.... रोमांटिक तस्वीर के साथ

अरबाज ने कैप्शन में लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यारी शूरा। कोई भी मुझे आपकी तरह मुस्कुराने नहीं देता। आप मेरी जिंदगी को रोशन कर देती हो। मैं तुम्हारे साथ बूढ़ा होने का इंतजार कर रहा हूं, उफ, वास्तव में बहुत, बहुत बूढ़ा। जब ब्रह्मांड ने हमें एक साथ लाया तो यह मेरे साथ अब तक हुई सबसे अच्छी बात थी। अभिनेता अरबाज खान ने एक मनमोहक तस्वीर के साथ अपनी दूसरी पत्नी शूरा खान को जन्मदिन की बधाई दी है। शूरा के साथ की तस्वीर अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। तस्वीर में, अरबाज और उनकी पत्नी सफेद रंग के कपड़ों में ट्विनिंग

करते हुए एक दूसरे के साथ शानदार समय बिताते दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता ने तस्वीर के साथ एक कैप्शन भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने शूरा के लिए अपने प्यार का इजहार किया है। अरबाज खान ने कैप्शन में लिखा, श्जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यारी शूरा। कोई भी मुझे आपकी तरह मुस्कुराने नहीं देता। आप मेरी जिंदगी को रोशन कर देती हो। मैं तुम्हारे साथ बूढ़ा होने का इंतजार कर रहा हूं, उफ, वास्तव में बहुत, बहुत बूढ़ा। जब ब्रह्मांड ने हमें एक साथ लाया तो यह मेरे साथ अब तक हुई सबसे अच्छी बात थी। पहली डेट से ही मुझे पता था कि मैं अपना शेष जीवन आपके साथ बिताने जा रहा हूं। आप अपनी सुंदरता और दयालुता से मुझे आश्चर्यचकित करते रहे। अभिनेता ने आगे लिखा, हर दिन मुझे याद आता है कि आपको ष्कुबूल है कहना मेरे मुंह से निकले सबसे अच्छे शब्द थे। लव यू टू द मून और वापस। अरबाज खान की बर्थडे पोस्ट पर शुरा ने प्रतिक्रिया दी। मेकअप आर्टिस्ट ने लिखा, अरबाज (बहुत सारे दिल वाले इमोजी के साथ)।श बता दें, अरबाज और शूरा ने 24 दिसंबर को अर्पिता खान के घर पर आयोजित एक निजी समारोह में निकाह रचाया था।

उनकी अगली फिल्म पुष्पा 2 द रूल, रेनबो और द गर्लफ्रेंड है।

इशा देवल ने खत्म की 12 साल की शादी, बना रिश्ता टूटने की वजह!

यूजर ने आगे दावा किया कि भरत धोखा दे रहे थे, इसलिए ईशा ने उनके साथ रहना छोड़ दिया। यूजर ने दावा किया कि उसने ईशा के पति भरत को नए साल के दिन बेंगलुरु में एक पार्टी में देखा था। जहां वह अपनी एक कथित गर्लफ्रेंड के साथ थे। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल की निजी जिंदगी पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, अभी हाल ही में एक रेडिट यूजर की पोस्ट ने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है, जिसमें ईशा के उनके पति भरत तख्तानी से अलग होने के दावे किये गए हैं। इसी के साथ पोस्ट में भरत के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की भी बात की गयी है। रेडिट यूजर के सनसनीखेज दावों के बाद ईशा और उनकी निजी जिंदगी सोशल मीडिया पर चर्चा का मुद्दा बनी हुई है। रेडिट यूजर ने ईशा देओल और उनके पति के अलग होने को लेकर एक पोस्ट की। इस पोस्ट में यूजर ने लिखा, श्ईशा देओल ने अपने पति के साथ पोस्ट करना बंद कर दिया है। 2023 में एक लेख था जो उस समय की याद दिलाता है जब उन्होंने और उनके पति ने अपनी प्रतिज्ञाओं को नवीनीकृत किया

योगा से ही होगा, तो ये है साक्षी मलिक की खूबसूरती और फिटनेस का राज, हर दिन योग करती हैं एक्ट्रेसएक्ट्रेस साक्षी मलिक की खूबसूरती और बोल्डनेस के सभी फैन हैं. हर दिन साक्षी अपने इन्स्टा अकाउंट पर तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. उनकी हर पोस्ट पर जमकर प्यार बरसाते हैं. एक्ट्रेस साक्षी मलिक अपनी खूबसूरती और बोल्डनेस के साथ–साथ फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं. एक्ट्रेस अपनी फिटनेस का पूरा ख्याल रखती हैं. कई फिल्मों और म्यूजिक एल्बम में नजर आ चुकीं फिटनेस फ्रीक एक्ट्रेस के इंस्टा पर 7 मिलियन से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं.

साक्षी मलिक अक्सर योगा करते और वर्क आउट करते हुए वीडियो और तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. एक्ट्रेस बताती हैं कि उन्होंने अपने डांस और योग की फिट रहने का जरिया बना लिया है. एक्ट्रेस कहती हैं

कि योग और डांस उन्हें ना सिर्फ फिट रखने में मदद करते हैं बल्कि साथ ही साथ मानसिक तौर पर भी संतुलित रखते हैं. फिट रहने के लिए एक्ट्रेस कई तरह की योग क्रियाएं करती हैं, जिनमें शीर्षासन प्रमुख है. साक्षी रोज सुबह उठकर 5 मिनट तक

देवरिया सदर कोतवाली पुलिस को मिली बड़ी सफलता

हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे अभियुक्त विकास यादव पुत्र स्व0 राजेन्द्र यादव उर्फ रविन्द्र यादव निवासी–सकरापार थाना कोतवाली को पुलिस ने किया गिरफ्तार दिनांक 30 दिसम्बर को थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत ग्राम चितामन चक निवासी रोहित यादव पुत्र रामवदन यादव को कुछ लोगों द्वारा घर के बाहर उनके ऊपर चलाई गई थी गोली थाना कोतवाली पर पीड़ित की माता की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तारी के लिए दबीश दे रही थी पुलिस दिनांक 2जनवरी को पुलिस द्वारा तीन अभियुक्तों पवन यादव पुत्र सतिराम यादव निवासी गोबराई थाना कोतवाली , रोहित मणि त्रिपाठी पुत्र पप्पू मणि निवासी रामनाथ देवरिया थाना कोतवाली व शिवम मिश्रा पुत्र भीमसेन मिश्रा निवासी पोखभिन्डा थाना बरियारपुर को पुलिस कर चुकी थी गिरफ्तार घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं देशी तमन्चा हुआ था बरामद

वांछित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे स्थानीय पुलिस ने गोवध निवारण अधिनियम के वांछित फरार चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने देवरिया धुस के समीप मछली मंडी के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।अभियान के तहत थानाध्यक्ष बघौचघाट मृत्युंजय राय पुलिस टीम के साथ देखभाल क्षेत्र तलाश वांछित रोकथाम क्षेत्र में मौजूद थे। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि गोवध निवारण अधिनियम का वांछित पेशेवर गौ तस्कर अभियुक्त

अनवर पुत्र अब्दुल अंसारी देवरिया धूस मछली मंडी के समीप है,जो कहीं भागने की फिराक में है।जानकारी पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर लिया।पुलिस से घिरता देख आरोपी भागने लगा तो पुलिस ने उसे दौड़ाकर गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष मृत्युंजय राय ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त अनवर मुअसं 239ध्23 धारा 3 (1) गैंगस्टर अधिनियम के तहत पेशेवर गौ तस्कर है जो वांछित चल रहा था। जिसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष मृत्युंजय राय,हेड कांस्टेबल इंदल यादव ,हेड कांस्टेबल फखरुद्दीन,हेड कांस्टेबल रामनयन, हेड कांस्टेबल राजवेंद्र सिंह ,कांस्टेबल सुभाष यादव,कांस्टेबल मोहम्मद साजिद,कांस्टेबल रुपेश यादव ,कांस्टेबल अजीत चौधरी शामिल थे।

सीडीओ की अध्यक्षता में समस्त शिक्षको के साथ आयोजित हुआ आनलाइन सत्र

जनपद में अध्यापकों हेतु कंट्रोल रूम किया जाएगा स्थापित

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे 18 जनवरी को मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पाण्डेय की अध्यक्षता में समस्त शिक्षकों एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव के साथ ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया। ऑनलाइन सत्र में बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। परिषदीय विद्यालयों का बदलता हुए स्वरूप अध्यापकों को बताया गया तथा टाइम एण्ड मोशन स्टडी का पालन करने हेतु समस्त अध्यापकों को निर्देशित किया गया। उक्त सत्र में निर्देशित किया गया कि सभी अध्यापक अनिवार्य रूप से प्रार्थना सभा में उपस्थित रहें और महापुरुषों की जयंती के अवसर पर छात्र–छात्राओं को महापुरुषों के विषय में बताया जाए तथा समय सारणी बनाकर कक्षाएं संचालित की जाए। समस्त शिक्षक ऑनलाइन मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही अवकाश लें। ऑफलाइन अवकाश किसी भी दशा में मान्य नहीं है। आगामी सत्र 2024–25 में स्कूल चलो अभियान को व्यापक रूप से संचालित करते हुए अपने ग्राम सभा के समस्त बच्चों का प्रवेश परिषदीय विद्यालयों में करायें। विद्यालय में एक डैशबोर्ड बनाया जाए जिस पर बालक दृ बालिका नामांकन एवं प्रतिदिन की उपस्थिति अंकित करे। समस्त छात्राओं का आधार बनवाना सुनिश्चित करें और डीबीटी के माध्यम से जिन छात्र–छात्राओं को धनराशि प्रेषित की गई है उनका यूनिफार्म युक्त फोटो अपलोड करें। विभाग के द्वारा सभी विद्यालयों में टैबलेट उपलब्ध कराया गया है जिसका सकारात्मक उपयोग विभिन्न विभागीय कार्यों में किया जाए। समस्त अध्यापक जन समुदाय के सहयोग से अपने विद्यालय में स्मार्ट कक्षाओं को स्थापित करने हेतु प्रयास करें। विद्यालयों में उपलब्ध कराई गई आधारशिला क्रियान्वयन सुंदर्शिका के अनुसार शिक्षण कार्य किया जाए तथा अध्यापक टी०एल०एम० का अधिक से अधिक प्रयोग करें। निपुण लक्ष्य के प्राप्त करने हेतु कार्य

करें। बच्चों को पुस्तकालय के प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित करें तथा खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करें। विद्यालयों के सफल संचालन हेतु 5. 5 प्वाइंट टूल किट का पालन करें। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में लक्ष्य के अनुसार नामांकन सुनिश्चित करते हुए उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में भी प्रवेश सुनिश्चित करें। बालिकाओं में कंप्यूटर दक्षता को बढ़ाने हेतु रोटेशन के आधार पर कंप्यूटर का प्रयोग करने हेतु अवसर दें। यू डायस पोर्टल का कार्य समयान्तर्गत पूर्ण करें। विद्यालय के भौतिक परिवेश को आकर्षक बनाएं जिससे विद्यालयों में छात्र–छात्राओं के पठन–पाठन के वातावरण को बेहतर बनाया जा सके। कंपोजिट स्कूल ग्रांट का यथोचित प्रयोग करें।ए०आर०पी० के द्वारा प्रत्येक माह निर्धारित लक्ष्य के अनुसार यूनिक विद्यालयों का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण करें। जनपद में अध्यापकों हेतु कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा जिस पर अपराह्न बजे से 05 बजे के मध्य फोन करके अध्यापक अपनी समस्याओं से अवगत करा सकते हैं। कंट्रोल रूम 26 जनवरी 2024 से संचालित किया जाएगा।

महाकुंभ 2025 के कुशल प्रबन्धन प्रभावी बनाने के लिए महाकुम्भ–2025 हैकथश्नन का आयोजन

प्रयागराज । महाकुंभ 2025 के कुशल प्रबन्धन को और अधिक प्रभावी एवं तकनीकी नवाचारों को जोडते हुए अत्याधुनिक बनाने के दृष्टिगत प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के सहयोग से, महाकुंभ 2025 हैकथॉन का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत सभी राष्ट्रीय संस्थानों और अन्य प्रसिद्ध संस्थानों और कॉलेजों के छात्रों को प्रतिभाग करने का एक असाधारण अवसर मिलेगा। इस हैकथॉन के माध्यम से दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन से जुड़े सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों के टेक्नालाजिकल सोल्यूशन देने का अवसर इन छात्रों को मिलेगा। शुरुआत में 3 विषयों की पहचान की गई है जिनसे जुडी समस्याओं के समाधान हेतु यह बच्चे अपने–अपने सोल्यूशन पर काम करेंगे।यह विषय सिक्योरिटी एण्ड सर्विलांस (सुरक्षा और निगरानी), एक्सटेंडेड रियलटी (एक्सआर) सोल्यूशन फार एक्सपीरियेंशियल कुंभ और मानीटरिंग इन्वेंट्री, फॅसिल्टीज एण्ड यूटिलिटी हैं।इस हैकथॉन में प्रतिभाग कर रहे छात्र इन समस्याओं का टेक्नालाजिकल सोल्यूशन देंगे तथा हर थीम में बेस्ट सोल्यूशन देने वाली टीम को एक लाख रू० का इनाम दिया जाएगा। इस हैकथॉन का पंजीकरण शीघ्र ही प्रारम्भ होगा तथा फरवरी 2024 से शार्टलिस्ट टीम के 2–3 मेंम्बर को यहां आकर माघमेले 2024 में प्रतिभाग करते हुए उपयोगी डेटा कलेक्ट करने तथा माघमेले में हो रहे कार्यों का अनुभव कराया जाएगा। कोडिंग पीरियड 1–15 मार्च 2024 तक चलेगा तथा फाइनल इवैल्यूएशन 15–20 मार्च के बीच किया जाएगा। हर टीम शिर्फ किसी एक थीम पर ही कार्य कर सकेगी एवं उसका साइज 4–6 मेम्बर तक हो सकता है। मण्डलायुक्त एवं अध्यक्ष प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने स्पष्ट करते हुए बताया कि महाकुंभ 2025 के लिए, सामान्य दिशा पारंपरिक समाधानों के साथ प्रौद्योगिकी का मिश्रण करना है। इसलिए कुंभ मेले के दौरान आने वाली सुरक्षा, निगरानी, गतिशीलता, भीड़ प्रबंधन, एक्सटेंडेड रियलटी सोल्यूशन एवं सेवा स्तर बेचमार्किंग चुनौतियों केमेलार नवीन तकनीकी समाधान प्राप्त करने के लिए इस हैकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। स्वीकृत समाधानों को प्रारंभिक वित्त पोषित किया जाएगा और मेला प्राधिकरण द्वारा आगे बढ़ाया जाएगा।

कमिश्नर ने बैठक में अनुपस्थित रहने पर जीएमडीआईसी का रोका वेतन

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रयागराज। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत गुरूवार को संगम सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी ढंग से शत–प्रतिशत क्रियान्वित करने एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने हिदायत देते हुए कहा है कि कार्यों में लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं है। उन्होंने निर्माण कार्यों का नियमित अंतराल पर टीम के द्वारा निरीक्षण कराये जाने का भी निर्देश दिया है। आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को शिकायतों का सयमसीमा के अंदर गुणवत्ता के साथ निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि निस्तारण करने वाले अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता से निस्तारण के बारे में अवश्य बात करें। उन्होंने अधिक संख्या में असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त होने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।मण्डलायुक्त ने उद्योग विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए बैठक में अनुपस्थित रहने एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में धीमी प्रगति पाये जाने पर उपायुक्त उद्योग पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनका वेतन रोके जाने का निर्देश दिया ह

प्रयागराज जनपद के 42 मंदिरों में आयोजित होंगे राम उत्सव

जिले में 34 भजन कीर्तन मंडलियां देंगी देवालयों में विविध धार्मिक प्रस्तुतियां

संवाददाता।

प्रयागराज । रामोत्सव के अवसर पर जिले के श्री रामजानकी मंदिर, श्री हनुमान मंदिर एवं श्री वाल्मीकि मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। प्रयागराज के जिला अधिकारी नवनीत सिंह चहल ने बताया है कि इसके लिए जनपद के इन 42 मंदिरो में रामोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमे सदर के 12, सोरांव के 03, मेजा के 02, बारा के 03, फूलपुर के 02, करछना के 05 , कोरांव के 02, हण्डिया के 02 मंदिर शामिल हैं। इन सभी चयनित मंदिरों में भजन, कीर्तन, रामकथा प्रवचन, अनवरत् रामायण, रामचरितमानस पाठ, सुंदरकाण्ड आदि के कार्यक्रम संस्कृति विभाग की तरफ से आयोजित हो रहे हैं।इसके अलावा शहर के तीन अति विशिष्ट मंदिरों में भी राम उत्सव के कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें अलोपीबाग ,श्रृंग्वेरपुरधाम और वाल्मीकि मंदिर सोहबतियाबाग में विशेष आयोजन होंगे। इन तीन मंदिरों में अति – विशिष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे जिसमें भगवान राम की चरण पादुका आगमन पर श्रीराम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम रामचरितमानस पर आधारित चित्र प्रदर्शनी ,भगवान राम की चरण पादुका आगमन पर श्रीराम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम और राम मंदिर रथयात्रा एवं कलश यात्रा भजन कीर्तन का कार्यक्रम शामिल है। हर और तहसीलों के अलावा नगर पंचायतों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला अधिकारी नवनीत सिंह चहल के मुताबिक संस्कृति विभाग की तरफ से सभी नगर पंचायतों में 8 कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस तरह जिले में कुल 42 कार्यक्रम संस्कृति विभाग की तरफ से आयोजित होंगे। इसके लिए 34 भजन कीर्तन मंडलियां भी चयनित की गई हैं।आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखते हुए माघ मेला क्षेत्र भी राममय होगा, माघ मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद के मुताबिक माघ मेले में आए सभी प्रमुख संतों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ विशेष बैठक करने के बाद सभी संत महात्माओं ने 22 जनवरी को माघ मेला क्षेत्र में दिव्य एवं भव्य रामोत्सव मनाने पर सहमति जताई है। सभी संतो ने उस दिन मेला क्षेत्र में सभी शिवरों में रामधुन और भगवान राम के ही भजन गूंजेंगे। जगह–जगह दीपोत्सव , अखंड रामायण पाठ एवं सुंदरकांड पाठ के कार्यक्रम तथा शाम को एक भव्य गंगा आरती आयोजित होगी। इस अवसर पर मेला प्रशासन भी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का प्रसारण करेगा।

पीएम द्वारा प्राण प्रतिष्ठा सनातन धर्म की प्रक्रिया के खिलाफ

कोर्ट में दायर हुई जनहित याचिका

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या में निर्माणाधीन मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिका में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शंकराचार्यों द्वारा उठाई गई आपत्तियों का हवाला देते हुए इसे सनातन परंपरा के खिलाफ बताया गया है। याचिका में कहा गया है कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव का लाभ उठाने के लिए यह कर रही है। याचिका पर तुरंत सुनवाई की मांग की गई है। गाजियाबाद के भोला दास की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया है कि अयोध्या में 22 जनवरी को धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है।वहां पर निर्माणाधीन मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा की जाएगी और इसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हो रहे हैं, जो कि गलत है। याची ने अपनी जनहित याचिका में इसके लिए कई आधार बताए हैं। याची की ओर से कहा गया है कि यह प्राणप्रतिष्ठा गलत है, क्योंकि सनातन धर्म के अगुवा शंकराचार्यों की ओर से इस पर आपत्ति उठाई गई है। दूसरा, पूस महीने में कोई धार्मिक कार्यक्र आयोजित नहीं किए जाते हैं। 25 जनवरी को पूर्णिमा है। पूर्णिमा तक कोई धार्मिक आयोजन नहीं होते हैं। तीसरा, मंदिर अभी निर्माणाधीन है। अपूर्ण मंदिर में किसी भी देवी–देवता की प्राण–प्रतिष्ठा नहीं हो सकती है। देवी–देवताओं की प्राण–प्रतिष्ठा पूर्ण मंदिर में होती है। इसके अलावा पीएम और सीएम योगी का इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होना संविधान के खिलाफ है क्योंकि देश का संविधान भाईचारे को बढ़ावा देने वाला है। पीएम और सीएम के ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होने से देश के भाईचारे की भावना को झटका लगेगा, जो कि सही नहीं है। याची अधिवक्ता अनिल कुमार बिंद ने बताया कि पीएम मोदी के कार्यक्रम पर रोक लगाने वाली जनहित याचिका मंगलवार को दाखिल हो गई है। कोशिश की जाएगी कि उस पर हाईकोर्ट जल्दी सुनवाई कर याचिका स्वीकार कर ले। उधर, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव की ओर से जारी उस शासनादेश को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है, जिसमें 22 जनवरी को प्रदेश के सभी मंदिरों में भजन–कीर्तन करने, रामचरित मानस का पाठ करने, सभी शहरों में रथध्कलश यात्रा निकालने का शासनादेश जारी किया गया है। हाईकोर्ट इस मामले की सुनवाई सूचीबद्ध होने पर ही करेगा।यह जनहित याचिका ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन (एआईएलयू), उत्तर प्रदेश के राज्य अध्यक्ष अधिवक्ता नरोत्तम शुक्ल की ओर से दाखिल की गई है। याचिका में कुल चार लोगों को पक्षकार बनाया गया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता के समक्ष याचिका पर अविलंब सुनवाई के लिए प्रार्थना की गई। लेकिन कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति की कोर्ट ने इसे अर्जेंट (अति आवश्यक) नहीं मानते हुए सुनवाई से इन्कार कर दिया।याचिका में मुख्य सचिव के शासनादेश को भारतीय संविधान के धर्म निरपेक्ष चरित्र व अनुच्छेद 25, 26 और 27 के खिलाफ माना है। कहा है कि इसके अनुसार राज्य को किसी भी धार्मिक गतिविधि, आयोजन से निरपेक्ष रहने की अपेक्षा संविधान में की गई है। उत्तर प्रदेश मुख्य सचिव ने इस संबंध में दिनांक 21 दिसंबर 2023 को शासनादेश जारी किया है। जारी शासनादेश में यूपी के सभी जिलाधिकारियों को 22 जनवरी को भजन– कीर्तन, रामायाण, रामचरित मानस पाठ, रथ और कलश यात्रा निकालने को कहा गया है।

इसके लिए गांव, ब्लॉक, जिला और शहरों में आंगनबाड़ी, आशा बहुओं एएनएम आदि कर्मचारियों का सहयोग लेने, कथावाचकों, कीर्तन मंडलियों को जिला सांस्कृतिक कौंसिल द्वारा भुगतान करने (इस हेतु राजकोष से अलग से 590 लाख रुपये जारी किए गए) को कहा गया है। शासनादेश में यह सब अयोध्या में भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ऐसा करने को कहा गया है।

बिना अनुमति मुख्यालय ने छोड़ें अधिकारी– डीएम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित सम्पन्न

प्रयागराज। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ने के लिए कहा है। बैठक में जिलाधिकारी ने बाल विकास एवं सेवा पुष्टाहार विभाग द्वारा संचालित बाल विकास परियोजनाओं, पोषण ट्रैकर एप पर फीडिंग, आंगनबाड़ी केन्द्रों के विद्युतीकरण, सीडीपीओ कार्यालय कोरांव के निर्माण कार्य की प्रगति, टीएचआर का वितरण, हॉटकुक्ड मील, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की ट्रेनिंग, एनआरसी एडमिशन एवं बेड की उपलब्धता, ईसीसीई किट, नए आंगनबाड़ी केन्द्रों का प्रस्ताव भेजे जाने आदि बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी सीडीपीओ व सुपरवाईजरों की विशेष प्रशिक्षण कराये जाने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि जहां–जहां टीएचआर के वितरण में कोई समस्या आ रही हो, उसका निराकरण कराते हुए वितरण करायें। बैठक में जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को पोषण ट्रैकर एप पर फीडिंग करने के लिए प्रशिक्षित किए जाने एवं उनके द्वारा फीडिंग की सुपरवाइजर के माध्यम से क्रास चेकिंग कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि यदि फीडिंग में कहीं अंतर पाया जाये, तो सम्बंधित के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाये।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 आशु पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया, परियोजना निदेशक अशोक कुमार मौर्या, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह, डीपीआरओ, बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण तिवारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

माघ मेला पुलिस को आपदा से निपटने को सिखाए गुर

प्रयागराज । रिजर्व पुलिस लाइन्स माघ मेला के मान सरोवर सभागार में आयोजित पुलिस प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण के प्रथम कालांश में क्षेत्राधिकारी जल पुलिस दिनेश कुमार यादव के द्वारा किसी भी प्राकृतिक या मानव जनित आपदा से निपटने एवं बाढ़ आने के कारण, बाढ़ का प्रभाव, बाढ़ से बचाव तथा जल में डूबने पर व आपातकालीन स्थिति में सुरक्षा एवं बचाव के अत्यन्त रोचक और प्रभावी जानकारी प्रदान की गई।प्रशिक्षण के क्रम में द्वितीय कालांश में यातायात निरीक्षक अवधेश सिंह के द्वारा माघ मेला क्षेत्र के पांटून पुलों पर आवागमन योजना, महत्वपूर्ण स्थानों, चौराहों, मार्गों व पार्किंग की आपातकालीन यातायात की योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रयागराज में पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर

प्रयागराज में पर्यटन एवं व्यापारिक विकास के संदर्भ में बैठक

सवाददाता

प्रयागराज । आज भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की एक अति आवश्यक बैठक महानगर अध्यक्ष योगेश गोयल की अध्यक्षता में प्रयागराज विकास प्राधिकरण के वी सी अरविंद चौहान के साथ आयोजित हुई। इस बैठक में संगठन ने प्रयागराज में पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। श्री गोयल ने कहा कि प्रयागराज तीर्थराज होने के साथ साथ एक ऐतिहासिक नगरी भी है और विश्व पटल पर लोग इसी वजहों से प्रयागराज को जानते है। किंतु इसके बावजूद भी प्रयागराज में ऐतिहासिक स्थलों के सुंदरीकरण एवं नवीनीकरण ना होने के कारण जो पर्यटक आते वह सिर्फ संगम स्नान करके चले जाते है। जिसकी वजह से यहां पर्यटन उद्योग की गति बहुत सुस्त है। उन्होंने कहा की शहर में ऐसे पौराणिक एवं ऐतिहासिक स्थल है जैसे की महर्षि भारद्वाज आश्रम, खुसरो बाघ, म्यूजियम, चंद्रशेखर आजाद पार्क, मनकामेश्वर मंदिर जिनपर सरकार को ध्यान देना चाहिए और उनका प्रचार प्रसार करना चाहिए जिससे की यहां के पर्यटन व्यापार को बल मिले एवं शहर में आय का श्रोत सशक्त हो।इस पर विकास प्राधिकरण के वी सी अरविंद चौहान ने कहा की यह सारे बिंदु सरकार के संज्ञान में हैं और इस पर प्रशासन तेजी से कार्य कर रहा है तथा आने वाले जून जुलाई के माह तक जनता को शहर में यह सभी बदलाव दिखने लग जायेंगे।साथ ही भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल प्रयागराज के मीडिया प्रभारी एवं अपना दल (एस) के प्रदेश मीडिया सचिव एडवोकेट प्रदीप तिवारी ने हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के साथ मीटिंग के बाद बताया की हाई कोर्ट के अधिवकताओं के साथ 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा दिवस के शुभ अवसर पर हाई कोर्ट हनुमान मंदिर के कार्यक्रम में संगठन भी भागीदारी करेगा। बैठक में वरिष्ठ महामंत्री नवीन अग्रवाल, महामंत्री अभिषेक केशरवानी एवं पियूष पांडे, युवा अध्यक्ष आयुष गुप्ता, कोषाध्यक्ष टीटू गुप्ता, एडवोकेट प्रदीप तिवारी, एडवोकेट संदीप करवरिया, विकास वैश्य, रानू अग्रवाल, नवीन सिंह (मेजर) ओकासा कमाल, रजनीश, आदित्य पाठक आदि उपस्थित थे।

संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ की तरफ कम्बल वितरण

प्रयागराज। शीत लहर और देर रात लखनऊ में कड़ाके की ठंडक को देखते हुए संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश की प्रदेश उपाध्यक्षा अर्चना सिंह के सौजन्य से 50 जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किया गया। प्रदेश महामंत्री योगेश उपाध्याय द्वारा कहा गया संघ का उद्देश्य है कि कर्मचारी हित के साथ समाज में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा कर्मचारियों के माध्यम से दी जा सके, समाज के जरूरतमंदों का सहयोग किया जा सके।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।